कार्तिक कृष्ण - 12 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 107 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 10-11-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभ धनतेरस

5 मेरे पास छिपाने को कुछ नहीं, स्कूल रोजगार घोटाले की जांच में सहयोग किया : अभिषेक

7 'सिंघम 3' में अवनि बाजीराव के रूप में वापसी कर रही हैं करीना

फर्स्ट टेक

भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू वार्ता आज

नई दिल्ली/वार्ता। भारत और अमेरिका के बीच पांचवीं मंत्री स्तरीय टू प्लस टू वार्ता शुक्रवार को यहां होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर वार्ता में भारत का जबकि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन आज भारत आ रहे हैं । उन्हें तीनों सेनाओं की टुकड़ी की ओर से सलामी गारद पेश की जायेगी। ऑस्टिन गत जून में भी यहां आए थे। और उस दौरान उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ वार्ता भी की थी। वार्ता के दौरान दोनों देश रक्षा , सुरक्षा , प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच परस्पर संपर्क बढाने के लिए जारी सहयोग की समीक्षा करेंगे। दोनों देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच गत जून और सितम्बर में हुए विचार विमर्श के आधार पर भारत– अमेरिका साझीदारी के भविष्य के रोडमैप पर बातचीत करेंगे। इसके अलावा समसामयिक क्षेत्रीय मुद्दों तथा क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग बढाने के बारे में भी चर्चा की जायेगी।

देश में अस्थिरता फैलाने वाले विदेशियों के साथ खड़ी कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नीमच/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि कांग्रेस देश में अस्थिरता फैलाना चाहती है और यही कारण है कि पार्टी भारत के खिलाफ साजिश फैलाने वाले विदेश के लोगों के साथ खड़ी नजर आती है।

मोदी मध्यप्रदेश के नीमच में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। राज्य में श्री मोदी की आज ये तीसरी सभा थी। इसके पहले उन्होंने सतना और छतरपुर में भी पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में सभाओं को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस देश में अस्थिरता और अराजकता फैलाना चहती है। इसके लिए पार्टी ने ना जाने किस–किस से गुप्त समझौते किए हुए हैं। विदश के जो लोग खुलेआम भारत के खिलाफ साजिश रचते हैं, कांग्रेस उनके साथ खड़ी नजर आती है। पार्टी को 10 साल से शासन से बाहर रहना पच नहीं रहा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लालच में हमेशा समाज को बांटा है। कांग्रेस की कुनीति से देश में आतंक और अराजकता का कालखंड आ गया। आजादी के समय राष्ट्रनिर्माण का जज्बा कांग्रेस ने एक परिवार की भक्ति में कुचल दिया। केंद्र या राज्य में कांग्रेस जहां भी रही, हमेशा भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बनाए हैं। इसी मानसिकता के कारण एक के बाद एक कई राज्यों से कांग्रेस साफ हो गई। मध्यप्रदेश में भी दो दशक से कांग्रेस बहुमत के लिए तरस रही है।

अवैध रूप से रह रहे लोगों के प्रति बिल्कुल नरमी नहीं बरतेगी सरकार : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार अवैध रूप से रह रहे लोगों के प्रति बिल्कुल नरमी नहीं बरतने की अपनी नीति को जारी रखेगी और भारत को इस खतरे से सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

शाह ने कहा कि सुरक्षित भारत की प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना के अंतर्गत राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पांच अंतरराष्ट्रीय मानव तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान दस राज्यों में एक साथ चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 44 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'एनआईए की टीम को बधाई। मोदी सरकार अवैध रूप से रह रहे लोगों के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरतने की अपनी नीति को जारी रखेगी और केंद्र सरकार इस खतरे से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।' एनआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने बुधवार को देशभर में छापेमारी कर मानव तस्करी में शामिल पांच गिरोह का भंडाफोड़ कर 44 लोगों को गिरफ्तार किया।

प्रवक्ता ने बताया कि भारत–बांग्लादेश सीमा के रास्ते घुसपैठ में शामिल और अवैध रूप से लोगों को बसाने में मदद करने वाले मानव तस्करों के नेटवर्क को नष्ट करने के लिए आठ राज्यों एवं दो केंद्र शासित प्रदेशों में 55 ठिकानों पर सीमा सुरक्षा बल व राज्य पुलिस बल के सहयोग के साथ छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा, असम, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, हरियाणा, राजस्थान और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर व पुडुचेरी में छापेमारी की गई।

10-11-2023 सूर्यास्त 5:39 बजे | 11-11-2023 सूर्योदय 6:05 बजे

BSE	NSE
64,832.20	19,395.30
(-143.41)	(-48.20)

सोना	चांदी
6,353 रु.	78,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

कतर में आठ भारतीयों को मौत की सजा के खिलाफ भारत ने दायर की अपील

नई दिल्ली/भाषा। कतर की एक अदालत द्वारा पिछले महीने भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को सुनाई गई मौत की सजा के खिलाफ एक अपील दायर की गई है। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि दोहा में भारतीय दूतावास को मंगलवार को बंदी भारतीयों से एक बार फिर राजनयिक पहुंच प्रदान की गई थी और भारत उन्हें सभी कानूनी और राजनयिक सहायता प्रदान करता रहेगा। कतर की 'कोर्ट ऑफ फर्स्ट इंस्टेंस' ने 26 अक्टूबर को भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने इस फैसले को अत्यंत स्तब्ध करने वाला बताया और कहा कि मामले में सभी कानूनी विकल्पों पर विचार किया जाएगा। बागची ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''मामले में पहले ही अपील दायर की गई है।'' निजी कंपनी 'अल दहरा' के साथ काम करने वाले इन भारतीय नागरिकों को पिछले साल अगस्त में कथित रूप से जासूसी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

एक आतंकी ढेर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू–कश्मीर के शोपियां जिले में बृहस्पतिवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) से जुड़ा एक आतंकवादी मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण कश्मीर जिले के काठोहलान इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि जैसे ही तलाशी दल के जवान संदिग्ध स्थान के पास पहुंचे, छिपे हुए आतंकवादी ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी चलाना शुरू कर दिया।

जीतन राम मांझी के खिलाफ जमकर नीतीश ने निकाली भड़ास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पूर्व सहयोगी जीतन राम मांझी पर जमकर बरसे और कहा कि उनकी ''मूर्खता'' के कारण वह राज्य में सत्ता की सर्वोच्च सीट पर आसीन हुए।

विपक्षी पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख मांझी द्वारा सदन में राज्य सरकार के जाति सर्वेक्षण पर संदेह व्यक्त करने पर नीतीश कुमार अपनी सीट से खड़े हुए और मांझी की ओर इशारा करते कहा, ''ये बोलता है कि हम मुख्यमंत्री थे। मेरी मूर्खता की वजह से यह मुख्यमंत्री बने। इसे कोई समझ है?''

नीतीश के इस कथन के बाद भाजपा सदस्य आपत्ति जताते हुए हंगामा करने लगे । बिहार में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश से उनके सहयोगी मंत्रियों को शांत होने और अपनी सीट ग्रहण करने का आग्रह करते हुए देखा गया पर सत्तर वर्षीय जदयू नेता तब तक शांत नहीं हुए जब तक कि उन्होंने मांझी के खिलाफ जमकर भड़ास नहीं निकाल ली। उन्होंने मीडिया गैलरी की ओर ऊपर की ओर नजर घुमाते हुए यह भी कहा, ''पत्रकारों को भी पूरे तथ्य पता होने चाहिए। वे इस आदमी को खूब प्रचारित करते रहते हैं।''

विरोध में खड़े हुए भाजपा सदस्यों से नीतीश ने कहा, ''यह आदमी हमेशा से आपके साथ रहना चाहते थे। जब एक साल पहले मैंने आपको (राजग) छोड़ा था तो मैंने उनसे यहीं रहने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि वह मेरे साथ आना चाहते हैं। अब वह भाग गये हैं। वह गवर्नर बनना चाहते हैं। कृपया उन्हें उपकृत करें।''

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल लोकतंत्र

कानून चीज है बहुत बड़ी,
सारे ही इसके हैं कायल।
हो जाएं नेता सावधान,
खुल चुकी सभी की ही फायल।
स्वागत को आतुर हैं जेलें,
जायेंगे अब रॉकी–रॉयल।
कृत्यों से शर्मिंदा जन–मन,
हो रहा तंत्र सारा घायल।।

जम्मू-कश्मीर में और अधिक आतंकवादियों को घुसपैठ कराने की हो रही कोशिश : बीएसएफ महानिदेशक

श्रीनगर/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू–कश्मीर में सर्दियों की शुरुआत और भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद होने से पहले सीमा पार से और अधिक आतंकवादियों को घुसपैठ कराने की कोशिशें हमेशा होती रहती हैं, लेकिन सुरक्षाबल सतर्क हैं और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे।

बीएसएफ महानिदेशक ने यहां श्रीनगर के बाहरी इलाके हुमहामा में सहायक प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) कश्मीर में बीएसएफ के 599 रंगरूटों की पासिंग आउट परेड में भाग लिया और उसका निरीक्षण किया।

नितिन अग्रवाल ने कहा कि ये प्रयास हर साल होते हैं क्योंकि पाकिस्तान बर्फबारी से पहले अधिकतम संख्या में आतंकवादियों को घुसपैठ कराने की कोशिश करता है।

बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा, '' हर साल सर्दी शुरू होने, बर्फबारी होने और रास्ते बंद होने से पहले उन्हें (आतंकवादियों को) खदेड़ने की कोशिश की जाती है। लेकिन, हम सतर्क हैं। मैंने बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) का दौरा किया, अपने सैनिकों और सेना के अधिकारियों से मुलाकात की।

आचार समिति ने लोकसभा से मोइत्रा के निष्कासन की सिफारिश की

नई दिल्ली /भाषा। लोकसभा की आचार समिति ने रिश्वत लेकर प्रश्न पूछने संबंधी आरोपों के मामले में बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा को संसद के निचले सदन से निष्कासित करने की सिफारिश की। भारतीय जनता पार्टी के सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने आज बैठक की जिसमें समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया गया। बैठक के बाद सोनकर ने संवाददाताओं से कहा कि समिति के छह सदस्यों ने रिपोर्ट को स्वीकार करने का समर्थन किया और चार ने इसका विरोध किया। सूत्रों ने बताया कि समिति ने मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश की है। अब रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजी जाएगी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मोइत्रा पर रिश्वत के बदले कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर अडाणी समूह को निशाना बनाने के लिए लोकसभा में सवाल पूछने का आरोप लगाया था। मोइत्रा ने आरोपों को खारिज किया था।

अमेरिका के रक्षा मंत्री ऑस्टिन ‘टू प्लस टू’ वार्ता के लिए भारत पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे और हवाई अड्डे पर उनके भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह ने उनका स्वागत किया। यह इस यात्रा को भारत द्वारा दिए गए महत्व को दर्शाता है। ऑस्टिन शुक्रवार को भारत-अमेरिका ‘टू प्लस टू’ विदेश और रक्षा मंत्री स्तरीय वार्ता में भाग लेने के लिए नई दिल्ली की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। वार्ता में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे।

भारतीय पक्ष का नेतृत्व सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे। सिंह और जयशंकर का ‘टू प्लस टू’ संवाद के इतर अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करने का भी कार्यक्रम है, जिसमें तेजी से विस्तारित होते भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों की व्यापक समीक्षा किये जाने की उम्मीद है। ‘टू प्लस टू’ वार्ता और द्विपक्षीय बैठक के दौरान कई रणनीतिक, रक्षा और प्रौद्योगिकी मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिका के मंत्री ऑस्टिन ने आखिरी बार जून में भारत की यात्रा की थी और सिंह से मुलाकात की थी।

उत्तराखंड गठन के बाद राज्य ने विकास के नित-नूतन शिखरों पर कदम जमाए : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2000 में उत्तराखंड गठन के बाद नई पहचान के साथ राज्य के परिश्रमी लोगों ने विकास और प्रगति के नित-नूतन शिखरों पर अपने कदम जमाए हैं।

उत्तराखंड के 23 वें राज्य स्थापना दिवस पर यहां पुलिस लाइंस में आयोजित एक कार्यक्रम में परेड का निरीक्षण करने के बाद बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने समस्त प्रदेशवासियों को बधाई दी और कहा कि राज्य गठन के बाद नई पहचान के साथ यहां के परिश्रमी लोगों ने विकास और प्रगति के नित-नूतन शिखरों पर अपने कदम जमाए हैं।

उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि देवी-देवताओं के विशेष आशीर्वाद से समृद्ध इस भूमि के निवासी सुख, समृद्धि और विकास की नई ऊंचाइयों तक अवश्य पहुंचेंगे।

कार्यक्रम में इस दौरान उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे।

आंदोलनकारी सुशीला बलूनी, माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली महिला बछेंद्री पाल और चिपको आंदोलन नेत्री गौरा देवी जैसी महिलाओं का विशेष जिक्र करते हुए मुर्मू ने कहा कि भगवान शिव और भगवान विष्णु के आशीर्वाद से पवित्र उत्तराखंड को देवभूमि कहने की परंपरा वंदनीय है

लेकिन पर्वतराज हिमालय की पुत्री देवी पार्वती एवं शक्ति के अन्य पूजनीय स्वरूपों से ऊर्जा प्राप्त करने वाली तथा गंगा-यमुना जैसी नदी-माताओं के स्नेह से सिंचित यह पावन धरती ‘देवी-भूमि’ भी है। पिछले साल दिसंबर के अपने उत्तराखंड दौरे को याद करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यहां आने का प्रत्येक अवसर तीर्थ-यात्रा का पुण्य प्राप्त करने की तरह होता है। उन्होंने कहा कि हाल ही में उत्तराखंड की बेटी वंदना कटारिया ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया है।

इस संबंध में उन्होंने कहा कि उन्हें नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को अनुमति देने में विशेष प्रसन्नता हुई थी क्योंकि यह उत्तराखंड सहित देश की बहनों और बेटियों के लिए राष्ट्र-निर्माण में उच्च-स्तरीय योगदान देने हेतु मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि वीर-प्रसवा रही है और स्वाधीनता के बाद के सभी युद्धों में यहां के वीरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तराखंड में आधारभूत संरचनाओं का विकास तेजी से हो रहा है और आपदा प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में हो रही बहु-आयामी प्रगति से निवेशकों में उत्साह बढ़ रहा है।

न्यायालय ने दिवाला और दिवालियापन संहिता के प्रमुख प्रावधानों की वैधता बरकरार रखी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के कुछ प्रमुख प्रावधानों को बरकरार रखा, जिन्हें उन लोगों के समानता के अधिकार जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने के आधार पर चुनौती दी गई थी, जिनके खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू की गई थी।

शीर्ष अदालत ने पर्सनल गारंटर के दिवाला समाधान के संबंध में 2019 में आईबीसी में किये गये कुछ संशोधनों की संवैधानिकता को कायम रखा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला व मनोज मिश्रा की पीठ ने आईबीसी में उन प्रावधानों को वैध करार दिया जो बकाया या ऋण के पुनर्भुगतान में चूक की स्थिति में लेनदारों की दिवालिया याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार करने से पहले व्यक्तिगत गारंटर को सुनवाई का अवसर नहीं देते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ‘‘आईबीसी को संविधान का उल्लंघन करने के लिए पूर्वव्यापी तरीके से संचालित नहीं किया जा सकता। इस प्रकार, हम मानते हैं कि कानून स्पष्ट मनमानी के दोषों से ग्रस्त नहीं है।’’

राजनाथ सिंह ने दिवाली तक ओआरओपी बकाये की तीसरी किस्त जारी करने का दिया निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पूर्व सैन्यकर्मियों को ‘वन रैंक, वन पेंशन’ (ओआरओपी) के तहत बकाये की तीसरी किश्त दिवाली तक जारी करने का निर्देश दिया।

पिछले साल दिसंबर में सरकार ने ‘वन रैंक, वन पेंशन’ के तहत सशस्त्र बलों के पूर्व कर्मियों की पेंशन में एक जुलाई, 2019 से संशोधन को मंजूरी दी थी। बकाया राशि का भुगतान चार किस्तों में किया जाना है। सिंह के कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ‘‘रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय को ‘स्पर्श’ प्रणाली के माध्यम से पेंशन ले रहे पूर्व सैन्यकर्मियों को दिवाली से पहले ओआरओपी की तीसरी किस्त जारी करने का निर्देश दिया है।’’ इसमें कहा गया है, ‘‘ बैंकों और अन्य एजेंसियों को भी उनके माध्यम से पेंशन ले रहे सभी रक्षा पेंशनधारकों के लिए ऐसा करने का निर्देश दिया गया है।’’ रक्षा मंत्रालय की ऑनलाइन पेंशन वितरण प्रणाली को ‘स्पर्श’ कहा जाता है जो 2021 में शुरू की गई थी। सशस्त्र बल के जो कर्मी एक जुलाई, 2014 से 30 जून, 2019 तक सेवानिवृत हुए हैं, वे इस संशोधन के दायरे में आते हैं। पिछले साल दिसंबर में अनुमान लगाया था कि 25.13 लाख से अधिक पेंशनधारक और पारिवारिक पेंशन धारक इस फैसले से लाभान्वित होंगे। इनमें 4.52 लाख से अधिक नये पेंशनधारक शामिल हैं। सरकार ने 2015 में अधिसूचना जारी कर ओआरओपी योजना के क्रियान्वयन की घोषणा की थी। इसमें हर पांच साल पर पेंशन की समीक्षा का प्रावधान है।

भारत की वृद्धि को टिकाऊ अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है : अश्वनी भाटिया

मुंबई/भाषा। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि को एक टिकाऊ अर्थव्यवस्था में तब्दील होने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्त बाजार स्थायी वित्त को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

‘ईएसजी निवेश के जरिए सतत वृद्धि में वित्त बाजारों की भूमिका’ विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय वित्त सम्मेलन में भाटिया ने कहा कि भारत सहित कई देशों ने पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कदम उठाए हैं। टिकाऊ तथा समावेशी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएं की हैं।

इस एक दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी यहां बीएसई के सहयोग से अंजुमन-ए-इस्लाम के अल्लाना इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा की गई थी। अंजुमन-ए-इस्लाम ने इस साल अपनी स्थापना के 150 साल पूरे कर लिए हैं। भाटिया ने कहा, ‘‘ भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से वृद्धि के चरण में है। हालांकि, इस वृद्धि को एक स्थायी अर्थव्यवस्था में तब्दील किए जाने की जरूरत है। नियामकों के रूप में हम वित्तपोषण या प्रकटीकरण तथा पारदर्शिता के पहलुओं को ध्यान में रखते हुए समग्र नियामक ढांचा तैयार कर रहे हैं।’’

भाजपा के शासन में मध्य प्रदेश ‘‘बीमारू’’ राज्य से ‘‘बेमिसाल’’ राज्य बना : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा नीत सरकार के सुशासन से मध्य प्रदेश एक बीमारू राज्य से बेमिसाल राज्य में बन गया है। मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य में समग्र विकास 5जी यानी वृद्धि, सुशासन, लोगों की सद्भावना, मोदी जी की गारंटी और गरीब कल्याण (गरीबों का कल्याण) से मुमकिन हुआ है।

सीतारमण ने कहा कि 5जी के दम पर ‘‘ मध्य प्रदेश अब एक बीमारू राज्य नहीं रह गया है और एक बेमिसाल राज्य बन गया है। ’’ उन्होंने विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सभी वर्गों का समर्थन मिलने का विश्वास जताया।

सीतारमण ने कहा, ‘‘ राज्य ने सामाजिक न्याय, उद्योग और कृषि जैसे क्षेत्रों में सर्वांगीण प्रगति देखी है। ’’ आंकड़े जारी करते हुए वित्त मंत्री ने कहा, ‘‘ मध्य प्रदेश में लोगों की वार्षिक प्रति व्यक्ति आय अब बढ़कर 1.40 लाख रुपये हो गई है। ऋण-जीडीपी अनुपात 2023 में घटकर 21.7 प्रतिशत हो गया।’’

ठाणे में लोकल ट्रेन पर पथराव करने वाले दो लोग गिरफ्तार

ठाणे/भाषा। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सीएसएमटी जाने वाली एसी लोकल ट्रेन पर पथराव करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जीआरपी के एक अधिकारी ने कहा कि एसी उपनगरीय ट्रेन मुंबई में टिटवाला से सीएसएमटी की ओर जा रही थी, जब सुबह के व्यस्त घंटों के दौरान ठाकुर्ली और डोम्बिवली के बीच उस पर पथराव किया गया। उन्होंने बताया कि पत्थरों से एक खिड़की क्षतिग्रस्त हो गई और ट्रेन में सवार 28 वर्षीय एक महिला घायल हो गई। उन्होंने कहा कि जीआरपी ने इलाके में रेलवे परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी और इस सिलसिले में दो लोगों को पकड़ लिया। इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

आयकर विभाग वोडाफोन आइडिया को 1128 करोड़ रुपये का टैक्स रिफंड करे : उच्च न्यायालय

मुंबई/भाषा। बम्बई उच्च न्यायालय ने आयकर विभाग को, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड को मूल्यांकन वर्ष 2016-2017 के लिए दूरसंचार ऑपरेटर द्वारा करों के रूप में भुगतान किये गये 1,128 करोड़ रुपये वापस करने का निर्देश दिया है। अदालत ने बुधवार को अपने फैसले में कहा कि इस साल अगस्त में विभाग द्वारा पारित मूल्यांकन आदेश ‘‘समयबाधित था और इसलिए इसे बरकरार नहीं रखा जा सकता है।’’

न्यायमूर्ति के आर श्रीराम और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने निर्धारित 30 दिन के समय के भीतर अंतिम आदेश पारित नहीं करने में ‘‘ढिलाई और सुस्ती’’ दिखाने और इस तरह सरकारी खजाने तथा जनता को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए मूल्यांकन अधिकारी के खिलाफ अप्रसन्नता जाहिर की। अदालत ने वोडाफोन आइडिया लिमिटेड द्वारा दायर एक याचिका पर यह फैसला सुनाया। इस याचिका में दावा किया गया था कि आयकर विभाग मूल्यांकन वर्ष 2016-2017 के लिए उसके द्वारा भुगतान की गई राशि वापस करने में विफल रहा, जो उसकी आय पर देय वैध कर से अधिक थी।

सत्य की विजय व असत्य की पराजय की रामायणकालीन परंपरा मत तोड़िए : प्रियंका का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रकूट/रीवा/भाषा। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को मतदाताओं को सत्य की विजय और असत्य की पराजय की ‘‘रामायणकालीन परंपरा’’ याद दिलाई।

उन्होंने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला कहा जाता है, लेकिन धर्म के नाम पर वोट देने वाले लोगों को सोचना चाहिए कि उन्हें राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 18 साल के राज में आखिर क्या मिला? सतना जिले के चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा के दौरान उन्होंने यह बात कही। प्रियंका ने कहा कि मतदाता उन नेताओं के प्रति अपनी ‘‘श्रद्धा’’ थोड़ी कम कर लें, जो चुनाव के दौरान उन्हें धर्म के नाम पर फुसलाकर वोट मांगते हैं।

चित्रकूट के बारे में पौराणिक मान्यता है कि यह भगवान राम की तपोस्थली था। इस क्षेत्र में प्रियंका ने कहा कि भगवान राम के दौर में भी ‘‘सत्य की विजय और असत्य की पराजय’’ की ’परंपरा’ थी तथा देश में रामायणकाल से परंपरागत रूप से यह क्रम चला आ रहा है कि आम लोगों के मन में उसी शासक के लिए श्रद्धा होती है जो करुणा और सेवा के भावों के साथ जनता के लिए काम करता है। मतदाताओं से मुखातिब कांग्रेस महासचिव ने कहा,‘‘आप इस परंपरा को मत तोड़िये। टीवी पर तो आप देखते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खूब काम करके देश-प्रदेश की तरक्की की है, लेकिन क्या यह तरक्की जमीन पर उतर रही है? जब आपको दिख रहा है कि आप समस्याओं से त्रस्त हैं और कोई सुनवाई नहीं हो रही है, तो आप उन नेताओं के प्रति श्रद्धा थोड़ी कम कर लें जो आपको फुसलाकर धर्म के नाम पर आपसे वोट मांगते हैं।’’ उन्होंने यह भी कहा कि रामायण के सिद्धांतों के आधार पर पूरा जीवन जीने वाले महात्मा गांधी ने कांग्रेस को ये ही उसूल सिखाए थे और उन्हें जब गोली लगी, तो दम तोड़ने से पहले उनके मुंह से हे राम शब्द ही निकले थे। बड़ी सरकारी कंपनियों के विनिवेश को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा पर बरसते हुए प्रियंका ने कहा,‘‘मुझे इससे कोई मतलब नहीं है कि कोई अपने आपको मामा और कोई फकीर कहता है। जब आप देश की बड़ी-बड़ी सरकारी कंपनियां कौड़ियों के दाम पर अपने उद्योगपति मित्रों को दे सकते हैं, तो आप भ्रष्ट हैं। कांग्रेस महासचिव ने आगे कहा,‘‘आप अपने आप को कुछ भी कहें, लेकिन इससे बड़ा भ्रष्टाचार और इससे बड़ी गद्दारी कुछ भी नहीं है कि इस देश की संपत्ति आपने गिने-चुने लोगों को सौंप दी।’’

हम सभी मानदंडों को पूरा करते हैं, आरईएल संबंधी आरोप झूठे : बर्मन परिवार

नई दिल्ली/भाषा। बर्मन परिवार ने रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) के स्वतंत्र निदेशकों द्वारा उनकी गतिविधियों को ‘‘धोखाधड़ीपूर्ण व अवैध’’ बताए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें ‘‘ झूठा और मानहानिजनक’’ करार दिया है। बर्मन परिवार ने सितंबर में रेलिगेयर एंटरप्राइजेज का नियंत्रण हासिल करने के लिए खुली पेशकश की थी। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, ‘‘ हम इन आरोपों से आश्चर्यचकित तथा निराश हैं।’’

बयान में कहा गया कि वह सभी नियामकों के साथ काम करते हुए इस लेनदेन को ‘‘शीघ्रता से’’ पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। धोखाधड़ी और अन्य उल्लंघनों के आरोप पर बर्मन परिवार ने कहा कि आरईएल में इच्छुक लोगों ने ‘‘इस झूठ को गढ़ा’’ है। बयान में कहा गया, ‘‘ हमने निदेशक मंडल द्वारा मंजूर कोष जुटाने की प्रक्रिया के तहत पारदर्शी तरीके से बाजार खरीद और तरजीही आवंटन के जरिये आरईएल में अपनी सभी शेयरधारिता खरीदी है। इसमें किसी भी तरह का कोई हेरफेर नहीं किया गया।’’

खबरों के अनुसार, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 18 अक्टूबर के एक पत्र में लगाए गए आरोपों के संबंध में आरईएल से सबूत और दस्तावेज मांगे हैं। सेबी ने स्वतंत्र निदेशकों द्वारा लगाए गए आरोपों पर जेएम फाइनेंशियल से भी प्रतिक्रिया मांगी है, जो बर्मन परिवार की ओर से खुली पेशकश का प्रबंधन कर रही है।

भाजपा ने एक उम्मीदवार के मुकाबले तीन उम्मीदवार ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स खड़े किये : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैकुंठपुर(छत्तीसगढ़)/भाषा। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी के उम्मीदवार भाजपा के तीन उम्मीदवार ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग से चुनाव लड़ रहे हैं। खरगे ने छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के बैकुंठपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा,‘‘ भाजपा के दिमाग में है कि उसने हिंदुओं का ठेका लेकर रखा हुआ है। लेकिन क्या हम हिंदू नहीं हैं? मेरा नाम मल्लिकार्जुन है जिसका मतलब शिव होता है।’’

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ’पांच राज्यों में विधानसभा का चुनाव चल रहा है। हमारी पार्टी के नेता पार्टी का प्रचार कर रहे हैं। वे लोग (भाजपा वाले) ईडी और इनकम टैक्स विभाग के माध्यम से हमारे प्रत्याशियों और उनके रिश्तेदारों पर हमला कर रहे हैं।’ खरगे ने कहा, ’मैं कह रहा हूं इस चुनाव में एक विधानसभा क्षेत्र से हमारा एक उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है, लेकिन भाजपा वालों ने हमारे एक उम्मीदवार के मुकाबले तीन-तीन उम्मीदवारों को खड़ा किया है। आप पूछेंगे कि वे कौन हैं, तो एक ईडी, दूसरा इनकम टैक्स और तीसरा सीबीआई है। हमारे उम्मीदवारों, उनके रिश्तेदारों, उनके दोस्तों और पार्टी के लोगों के घरों पर ये लोग (भाजपा वाले) हमला करते हैं, उनको हतोत्साहित करने का प्रयास करते हैं। वे यह कोशिश करते हैं कि लोग डरें और कांग्रेस को वोट न दें। लेकिन छत्तीसगढ़ के लोग डरने वाले नहीं हैं।’ उन्होंने इस दौरान कहा, ’प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले दिनों यहां आए थे तब उन्होंने कहा था कि यहां त्योहार मनाना मुश्किल है। कौन सा त्योहार मनाना मुश्किल है। वह लोगों को भड़काने के लिए ऐसा कह रहे थे। उनके दिमाग में है कि मेरी पार्टी हिंदुओं की है। वह (हिंदुओं का) ठेका लेकर बैठे हैं? क्या हम हिंदू नहीं हैं? मेरा नाम है मल्लिकार्जुन है। मल्लिकार्जुन शिव का नाम होता है। मेरे नाम में अर्जुन भी है। आप (भाजपा) किसे धोखा दे रहे हैं? बच्चों के दिमाग में बार-बार कहते रहेंगे तो देश में नफरत का वातावरण पैदा होगा।

देश में सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 60,000 मेगावाट पर पहुंची: उद्योग संगठन एआईएसएमए

नई दिल्ली/भाषा। देश में सौर मॉड्यूल की स्थापित विनिर्माण क्षमता 60,000 मेगावाट पर पहुंच गई है। उद्योग संगठन ऑल इंडिया सोलर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईएसएमए) ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2020-21 में पॉलीसिलिकॉन मॉड्यूल बनाने की क्षमता 10,000 मेगावाट से कम थी। इसकी क्षमता कम वाट की थी। भारत ने इस क्षमता को बढ़ाकर वर्तमान में 60,000 मेगावाट कर दिया है। साथ ही अब जो विनिर्माण हो रहा है उसकी क्षमता उच्च वाट की है। इसके साथ तकनीकी रूप से उन्नत मोनो पर्क, टॉपकॉन और एचजेटी मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता भी बढ़ी है।

एआईएसएमए अध्यक्ष हितेश दोषी ने कहा, ‘‘यह वास्तव में भारतीय सौर विनिर्माण क्षेत्र के लिये महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सौर ऊर्जा को अपनाना स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बदलाव के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसके साथ अंतरिक्ष में भारत का बढ़ता नेतृत्व देश को वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगा।’’ भारत ने 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। देश का लक्ष्य 2030 तक 5,00,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का है। सौर ऊर्जा से इस क्षमता में 3,00,000 मेगावाट का योगदान होने की उम्मीद है। सौर ऊर्जा क्षमता 30% सालाना की दर से बढ़ रही है। देश में विनिर्मित उच्च गुणवत्ता वाले सौर मॉड्यूल की उत्तरी अमेरिका और यूरोप जैसे वैश्विक बाजारों में मांग बढ़ी है।

आभूषण विक्रेताओं को धनतेरस पर सोने की बिक्री में 10% वृद्धि की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आभूषण विक्रेता शुक्रवार को धनतेरस के दिन सोने की मांग को लेकर सतर्क, मगर आशान्वित हैं। भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के मद्देनजर सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के बीच वे सोने के आभूषण और सर्राफा की बिक्री में 10 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

पिछले साल धनतेरस के बाद से सोने की कीमतें 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 61,000 रुपये प्रति दस ग्राम हो गई हैं। पिछले साल धनतेरस पर दिल्ली में सोने की कीमतें कर को छोड़कर 50,139 रुपये प्रति दस ग्राम थीं, जबकि वर्ष 2021 धनतेरस त्योहार पर यह 47,644 रुपये थी।

धनतेरस को हिंदू कैलेंडर में कीमती धातुओं, बर्तनों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। इस दिन कई लोग वाहन भी खरीदते हैं। सामान्य वर्षों में धनतेरस के दिन करीब 20-30 टन सोना बिक जाता है। ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन संयम मेहरा ने पीटीआई-भाषा को बताया, ‘‘सोने की कीमतों में सालाना 8-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। और लोगों ने सोने की आधार कीमत 58,000 रुपये प्रति दस ग्राम को स्वीकार कर लिया है। हम पिछले साल की तुलना में इस धनतेरस पर बिक्री में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं।’’ उन्होंने कहा कि कई ज्वेलर्स द्वारा दी जा रही मेकिंग चार्ज में छूट का लाभ उठाते हुए उपभोक्ताओं ने धनतेरस के दिन डिलिवरी के लिए बुकिंग की है।

हालांकि, विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के भारत के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सोमसुंदरम पीआर ने कहा, ‘‘ज्वेलर्स सतर्क रूप से आशावादी हैं, हालांकि उपभोक्ता भावनाएं सकारात्मक बनी हुई हैं। सोने की ऊंची कीमत धनतेरस पर एक महत्वपूर्ण रुकावट होगी।’’

तमिलनाडु में भारी बारिश, कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तर पूर्वी मानसून के सक्रिय होने के कारण तमिलनाडु में बृहस्पतिवार को भारी बारिश हुई और दक्षिणी जिलों में इसका सबसे ज्यादा असर देखा गया। भारी बारिश और जलभराव की वजह से मदुरै, तेनि, दिंडुक्कल, तिरुनेलवेली, तेनकाशी, तिरुप्पूर और कोयंबत्तूर जिलों के अलावा, नीलगिरि जिले के चार तालुकों सहित कई जिलों में प्रशासन ने आज स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी।

यहां क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने राज्य में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। नीलगिरि जिले के कोटागिरि में सबसे अधिक 228 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। नीलगिरि माउंटेन रेलवे लाइन पर लगातार बारिश के कारण लगभग पांच स्थानों पर भूस्खलन की सूचना मिली, जिसके कारण माउंटेन ट्रेन सेवा रद्द कर दी गई। कोटागिरी में भी भूस्खलन हुआ, जिससे सड़क यातायात प्रभावित हो गया और परिणामस्वरूप यातायात को कुन्नूर से मेट्टुपालयम की ओर परिवर्तित कर दिया गया। तेनकाशी, तेनि, दिंडुक्कल, मदुरै, विरुद्धुनगर, तिरुनेलवेली, थूथुकुडी, शिवगंगा, रामनाथपुरम, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, तिरुवण्णायलै और तिरुवल्लूर जिलों में गरज के साथ मध्यम बारिश हुई। पूर्वोत्तर मॉनसून पूरे राज्य में सक्रिय है और चेन्नई तथा आसपास के इलाकों में भी बारिश हुई है।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को चेन्नई राजभवन में उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। राज्यपाल आर.एन रवि ने सभी उत्तराखंडियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

फिर बाधित हुई माउंटेन रेलवे की सेवाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां नीलगिरि, कुन्नूर और बर्लियार के बीच चलने वाले एनएमआर नीलगिरी माउंटेन रेलवे क्षेत्र में भारी बारिश के चलते कई जगह पटरी के कंक्रीट के नीचे से मिट्टी बह गई। जगह जगह पर पेड़ गिर गए। जिसके चलते ट्रेन का परिचालन रूक दिया गया है। बारिश में बचाव और मरम्मत कार्य में देरी हो रही है।

रेल अधिकारियों ने बताया कि रेल सेवा फिर से शुरु होने में लगभग 1 सप्ताह का समय लग जाएगा। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही ट्रेन सेवाएं शुरु हुई थी पर तमिलनाडु में हो रही भारी बारिश के चलते फिर सेवाएं स्थगित करना पड़ रहा है।

भारी बारिश — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर में भारी बारिश के कारण सेल्वसिंतामणि तालाब का अतिरिक्त पानी सेल्वपुरम अशोक नगर के आवासीय इलाकों में घुस गया। क्षेत्र की विधायक एवं भाजपा राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन ने क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों की मरम्मत करने का निर्देश दिया। क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए रात्रि विश्राम और भोजन की व्यवस्था भी की गई।

'स्वयं' पोर्टल के जरिए निःशुल्क ऑनलाइन पाठ्यक्रम का अवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। हिंदी माध्यम से बहुविषयी अद्यतन ज्ञान निःशुल्क हासिल करने का अनोखा अवसर आया है। इसके तहत जब चाहें, जहां चाहें, कुछ समय बिताकर ऑनलाइन निःशुल्क पाठ्यक्रम में शामिल होकर लाभान्वित हो सकते हैं।

बताया गया कि भारत सरकार के 'स्वयं' पोर्टल के माध्यम से यह निःशुल्क ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध है। कंप्यूटर की भाषिक क्षमता के विकास की प्रक्रिया को 'प्राकृतिक भाषा संसाधन' के रूप में माना जाता है। विभिन्न भाषाओं के लिए भाषा प्रौद्योगिकी के विकास के लिए कुशल जनबल की ज़रूरत होती है, जो उन भाषाओं में प्रवीण होने के साथ-साथ भाषा प्रौद्योगिकी के मूलभूत सिद्धांतों, कंप्यूटरीय भाषा विज्ञान, प्राकृतिक भाषा संसाधन की तमाम प्रक्रियाओं, उद्देश्यों, लक्ष्यों से परिचित हो। प्राकृतिक भाषा संसाधन के कार्यों का ज्ञान होने से वे अपनी भूमिका भलीभांति निभा सकते हैं। ऐसे कुशल जनबल को तैयार करने के लिए 'भाषा-प्रौद्योगिकी का परिचय' नामक पाठ्यक्रम विकसित किया गया है।

इसमें केवल सैद्धांतिक बातों तक सीमित न होकर, ठोस उत्पादों, सुविधाओं की भी चर्चा शामिल है। इससे औसत विद्यार्थी भी इस विषय की ओर आकर्षित हो सकता है। भाषा-प्रौद्योगिकी संबंधी चेतना और कुशलताओं को विकसित करने के लिए उत्सुक विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए jayasankarbabu.hin@pondiuni.ac.in से सम्पर्क कर सकते हैं

श्रमिक के बच्चे किसी कारण से शिक्षा से वंचित न रहे : मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए वर्ष 2022-23 के लिए शैक्षिक अनुदान कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि श्रमिक वर्ग देश में धन पैदा करता है अगर उन्हें किसी चीज की तकलीफ होगी तो उसका नुकसान सभी को भुगतना होगा। श्रमिकों के बच्चे किसी भी कारण से शिक्षा से वंचित न रहें। संविधान के अनुसार समाज की संपत्ति में सभी को बराबर का हिस्सा मिलना चाहिए। इसलिए हमने श्रमिकों के बच्चों के लिए इस तरह के कार्यक्रम तैयार किए हैं। उन्होंने कहा कि हम

श्रमिकों के बच्चों को शैक्षिक अनुदान कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

समतामूलक समाज की इच्छाओं को लागू करने का प्रयास कर रहे हैं।

शूद्र और महिलाएँ सदियों तक शिक्षा से वंचित रहे। इससे शूद्र वर्ग पिछड़ गये। असमानता बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य इस तरह की असमानता को मिटाना है। कल्याण कोष के माध्यम से 9.6 लाख बच्चों को इससे सहायता का लाभ उठायेंगे और शिक्षित बनेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से असमानता को दूर किया जा सकता है। ये सभी असंगठित श्रमिकों के बच्चे हैं जिन्हें सब्सिडी मिल रही है। आज भी 83 प्रतिशत श्रमिक असंगठित हैं। उन्होंने कहा कि कृषक समुदाय के अलावा देश में दूसरा सबसे बड़ा समुदाय श्रमिक समुदाय ही आता है।

उन्होंने कहा कि सार्वभौमिक बुनियादी आय की अवधारणा के साथ, हमने गारंटी योजनाएं लागू की हैं जो सभी जातियों और धर्मों को लाभ पहुंचाती हैं।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, श्रम मंत्री संतोष लाड, विधान परिषद के सभापति बसवराज होरट्टी, खाद्य मंत्री केएच मुनियप्पा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू उपस्थित थे।

रसम पेस्ट को बाजार में लांच हुए इंदिरा फूड्स के ब्रांड एंबेसडर अभिनेता सतीश निनासम, कम्पनी की चेयरपर्सन इंदिरा, सलाहकार उल्लास कामथ, निदेशक विजय सी. एवं अन्य।

खाद्य बाजार में इंदिरा फूड्स के बढ़ते कदम

कम्पनी ने बाजार में उतारा नया उत्पाद 'रसम पेस्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महिलाओं के किचन में अपना एक विशेष स्थान रखने वाले 'इंदिरा फूड्स' जो अपने रेडी टू कुक/रेडी टू ईट आइटमों के लिए जाना जाता है, ने बुधवार को रसम (दक्षिण भारत का एक तरल खाद्य पदार्थ) पेस्ट को बाजार में लॉंच किया है। बिना किसी मिलावट के विभिन्न पेस्ट और खाद्य फॉमूलेशन के लिए प्रसिद्ध इंदिरा फूड्स में प्राकृतिक मसालों का प्रयोग किया जाता है। अभी तक बाजार में रसम केवल पाउडर के रूप में उपलब्ध था, वहीं रसम अब रसम पेस्ट के रूप में नए उत्पादों की श्रृंखला के साथ लांच किया गया।

अपनी विस्तार नीति के लिए कम्पनी ने उद्योग जगत के उल्लास कामथ को अपने साथ जोड़ा है. जिन्होंने अपने चतुर व्यापारिक कौशल से कई कंपनियों की किस्मत बदल दी थी और इसे बोर्ड में सलाहकार के रूप में एक नए युग में ले गए। नई उत्पाद लाइन और एक हाई-प्रोफाइल व्यवसाय इकाई का निर्माण मंड्या में हो रहा है। कम्पनी का 25 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मंड्या जिले में 1.2 लाख वर्ग फीट का एक नया विनिर्माण संयंत्र बन रहा है। कम्पनी ने फिल्म स्टार सतीश निनासम को भी नए उत्पादों की ब्रिकी को गति देने के उद्देश्य से ब्रांड के चेहरे के रूप में चुना गया है।

ज्ञातव्य है कि कम्पनी की संस्थापिका श्रीमती इंदिरा ने एक छोटे से गैराज से वर्ष 1990 में इंदिरा फूड्स की शुरुआत की थी, जो अब सबसे तेजी से बढ़ती एफएमसीजी कंपनियों में से एक है। यह ब्रांड महिला उद्यमिता का जीता जागता प्रमाण है। इंदिरा फूड्स ने रागी उत्पादों पर जोर दिया है। संस्थापिका ने बताया कि कम्पनी ने रागी के उत्पाद उस समय बनाए जब कोई रागी का उत्पाद नहीं बनाता था। कम्पनी देश में शत प्रतिशत प्राकृतिक इमली सांद्रण की सबसे बड़ी निर्यातक भी है। इंदिरा फूड्स शत प्रतिशत प्राकृतिक टमाटर का पेस्ट और टोंटी पाउच में गाढ़ा और स्वादिष्ट केचप पेश करने वाली पहली और एकमात्र कंपनी रही है। कंपनी वर्तमान में अपने उत्पाद केवल कर्नाटक में बेचती है और निकट भविष्य में अधिक राज्यों में विस्तार करने की योजना बना रही है। कम्पनी द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष में 45 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की थी और उत्पाद श्रृंखला में नई वृद्धि के साथ तेजी से विस्तार करने का लक्ष्य रखा है। इंदिरा फूड्स अपने यहां 250 लोगों को रोजगार देता है और अपनी विस्तार योजनाओं के तहत अगले 1 साल में 100 और लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखता है।

कन्नड़ अभिनेता और इंदिरा फूड्स के ब्रांड एंबेसडर सतीश निनासम ने कहा, मैं इंदिरा फूड्स के साथ जुड़कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जो नवाचार और विस्तृत उत्पादों की समृद्ध विरासत के साथ भारत की सबसे प्रतिष्ठित कंपनियों में से एक है। मैं खुद मंड्या से आया हूँ। वहां उनका नया पौधा लग रहा है और उत्पाद का गुलदस्ता कुछ ऐसा है जो यहां की मिट्टी से मेल खाता है। मैं कंपनी के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि वे अपनी विकास और सफलता की यात्रा में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं।

फिलिस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वालों पर एफआईआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने फिलिस्तीन के समर्थन में मौन विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस से प्रदर्शन की अनुमति नहीं ली गई थी। एफआईआर बुधवार को दर्ज की गई।

ये विरोध प्रदर्शन 5 नवंबर को किया गया था। शहर के सेंट मार्क रोड पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने फिलिस्तीन का समर्थन करने वाले पोस्टर और तख्तियां ले रखी थीं। विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और यातायात अस्त-व्यस्त हो गया। पुलिस ने आईपीसी की धारा 149 (गैरकानूनी सभा), 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा), 283 (सार्वजनिक रास्ते में खतरा या बाधा), 290 (सार्वजनिक उपद्रव) और 291 (सार्वजनिक उपद्रव की पुनरावृत्ति) के तहत मामला दर्ज किया है।

रोजगार के अवसरों का बड़े पैमाने पर किया गया सृजन: भारतीय रेलवे

बेंगलूरु। रेलवे ने मीडिया के कुछ हिस्सों में छपीं उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें यह दावा किया गया था कि उसमें (रेलवे) भर्तियां नहीं हुई हैं। उसने कहा कि पिछले दशक में भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है। कनेक्टिविटी बढ़ाने, यात्री सुविधाओं को उन्नत करने और विश्व स्तरीय ट्रेनों और स्टेशनों की पेशकश के लिए पूंजी के अभूतपूर्व निवेश के अलावा, यह देश के युवाओं के लिए रोजगार भी पैदा कर रहा है। उदाहरण के लिए, 2004-2014 के दशक में, भारतीय रेलवे की औसत भर्ती लगभग 4,11,00 थी। इस प्रकार, प्रति वर्ष लगभग 41,000 नौकरियां पैदा हुईं। जबकि, 2014-2023 की अवधि में, अब तक 5,00,000 भर्तियां की गई हैं। इनमें से औसतन 50,000 भर्तियां प्रति वर्ष कोविड-19 अवधि के दौरान की गईं और लगभग 62,000 भर्तियां प्रति वर्ष गैर-कोविड अवधि में की गईं। रेलवे ने कहा कि भर्तियां विभिन्न श्रेणियों, जैसे- सहायक लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, ट्रेन मैनेजर, जूनियर इंजीनियर, तकनीशियन, वाणिज्यिक क्लर्क, ट्रैक मेंटेनर, पॉइंट्समैन, विभिन्न विभागों- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सिविल, सिग्नल और दूरसंचार आदि में सहायक के रूप में की गई हैं।

इसके अलावा, बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का उपयोग करके निष्पक्ष तरीके से कंप्यूटर आधारित परीक्षणों के माध्यम से बहुत ही पारदर्शी तरीके से भर्तियां की गई हैं। उदाहरण के लिए, एनटीपीसी (गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी) में दिसंबर 2020 और जुलाई 2021 के बीच, 211 शहरों में %26 केंद्रों पर 133 शिफ्टों में 1.26 करोड़ उम्मीदवारों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रश्नपत्र 15 भाषाओं में उपलब्ध कराया गया था, जिससे उम्मीदवारों को मातृभाषा में परीक्षा देने का विकल्प मिला था। पूंजी निवेश के उच्च स्तर के कारण विभिन्न बुनियादी ढांचे के कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं। 2023-24 में अब तक का पूंजीगत व्यय रेलवे इतिहास में अब तक का सबसे अधिक यानी 2.5 लाख करोड़ रुपए है। पिछले एक वर्ष में, भारतीय रेलवे ने लगभग 5,600 किलोमीटर ट्रैक (नई लाइन, दोहरीकरण कार्य) का निर्माण किया है।

'कर्नाटक सरकार 'नफरत की राजनीति' कर रही है, भूख हड़ताल करूंगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार 'नफरत की राजनीति' कर रही है और इसके विरोध में वह इस महीने के अंत में तीन दिनों की भूख हड़ताल करेंगे।

पत्रकारों से बात करते हुए, येडीयुरप्पा ने कहा कि वह विधान सौधा के परिसर या फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं कल तारीख तय करूंगा।' उन्होंने कहा, बेंगलूरु में भाजपा विधायक एन मुनिरत्ना के प्रतिनिधित्व वाले आरआर नगर निर्वाचन क्षेत्र में सरकार नफरत की राजनीति कर रही है। उन्होंने विकास कार्यों के लिए पैसा रोक दिया है।

येडीयुरप्पा ने कहा, मुझे कांग्रेस सरकार से इस तरह की नफरत की राजनीति की उम्मीद नहीं थी। बेलगावी में शीतकालीन सत्र से पहले प्रतीकात्मक रूप से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मैं बीजेपी विधायकों से इस मामले को विधानसभा में चर्चा के लिए उठाने के लिए कहूंगा। सरकार ने आरआर

बेंगलूरु में पीईएस कॉलेज के पास लोगों से मुलाकात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा।

नगर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए जारी 126 करोड़ रुपये का फंड वापस ले लिया था। उन्होंने कहा, मैं सरकार से बात करने की कोशिश कर रहा हूं। अगर सरकार जवाब नहीं देती है, तो आंदोलन होगा। मेरे लिए यह कोई नई बात नहीं है।

येडीयुरप्पा ने आगे हमला करते हुए कहा कि पूरे राज्य में ठेकेदार काम नहीं कर रहे हैं। पुराने कामों के लिए भी सात से आठ फीसदी कमीशन देने को कहा गया है। त्योहार के बाद कई भाजपा नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर, येडीयुरप्पा ने कहा कि नेता जहां चाहें वहां जाएं। उन्होंने कहा, मैं परेशान नहीं हूं। मैं सोच रहा हूं कि हम एक विपक्षी दल के रूप में कैसे काम कर सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बयान कि आरआर नगर के फंड को हेराफेरी के लिए रोका जा रहा है, येडीयुरप्पा ने कहा, अगर कुछ गलत है तो उन्हें जांच करने दें और कार्रवाई करें। सभी विकास कार्यों को रोकना कहां तक उचित है? मैं शिवकुमार से पूछता हूं, क्या ये नफरत की राजनीति नहीं है? मैं सरकार से अपील करता हूं कि ऐसा न करें।

कर्नाटक में लंबित बिलों के भुगतान के लिए ठेकेदारों से आठ फीसदी कमीशन मांगा जा रहा : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बीएस येडीयुरप्पा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की नीतियों' और उसके कामकाज की शैली की निंदा करते हुए संभवत: इस महीने के अंत तक शहर में तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन करेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि कोई भी ठेकेदार राज्य में विकास कार्य करने के लिए आगे नहीं आ रहा है, क्योंकि सरकार में शामिल लोग उन्हें समय पर भुगतान नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि वे लंबित बिलों को मंजूरी देने के लिए उनसे 7.5-8 प्रतिशत कमीशन मांग रहे हैं।

भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए हम विधानसौधा के सामने सत्याग्रह करेंगे और इस सरकार को चेतावनी देंगे।''

पार्टी में असंतोष को शांत करने के लिए विधायकों साथ रोजाना बैठक करेंगे डी.के. शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पार्टी विधायकों और कार्यकर्ताओं की समस्याएं, शिकायतों तथा सुझावों को सुनने के लिए उनके साथ नियमित तौर पर सुबह की बैठकें करेंगे। इस कदम को कुछ विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच पनप रहे असंतोष को रोकने तथा लोकसभा चुनाव से पहले उन तक पहुंचने के उद्देश्य के रूप में देखा जा रहा है।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''सभी विधायकों को बैठक के समय को लेकर भ्रम था। मैंने (विधायकों के लिए) सुबह 10 बजे से 10:30 बजे तक का समय तय किया है। मैं अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए भी समय तय कर रहा हूं।''

उन्होंने कहा कि बैठकों का उद्देश्य विधायकों की शिकायतों को सुनना और उनका समाधान करना है, जिसमें उनके निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों से संबंधित शिकायतें भी शामिल हैं।

शिवकुमार ने कहा कि जिस दिन वह बेंगूलरु से बाहर होंगे, सिर्फ उस दिन को छोड़कर हर दिन ये बैठकें होंगी।

Indian Overseas Bank
इंडियन ओवरसीज बैंक
क्षेत्रीय कार्यालय, कोयंबटूर
11/952, Cross Cut Road, Coimbatore-641 012
Tel. 0422-2497171. Web site : www.iob.in

निविदा आमंत्रण सूचना

हम आईओबी करेंसी चेस्ट, गांधीपुरम, कोयंबटूर के लिए नकदी प्रबंधन सेवाओं के लिए प्रत्येक वैन में 05 क्रू सदस्यों के साथ 03 (तीन) पूरी तरह से आउट सोर्स कैश वैन की तैनाती के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इच्छुक पार्टियां अधिक जानकारी/निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए हमारी वेबसाइट www.iob.in (Tenders) पर लॉग इन कर सकती हैं।

मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक
स्थान : कोयंबटूर
दिनांक : 09-11-2023

दीप पर्व की प्रासंगिकता

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

दिवाली एक प्राचीन पर्व है, ऋग्वेद के 'श्रीसूक्त' में ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री श्रीदेवी का उल्लेख मिलता है। यह मूलतः भूदेवी हैं। उस कालखण्ड में कृषि पर आधारित अर्थ व्यवस्था में भूदेवी ही समृद्धि का आधार थीं। उन दिनों कार्तिक मास की अमावस्या को एक बड़े उत्सव का आयोजन होता था। बाद में यही दिवाली के रूप में लोकमान्य हुआ। दिवाली क्यों मनाई जाती है? इसे जानने के लिए हमें भारतीय ज्ञान परम्परा में प्रवेश करना होगा। यह ऋषियों-मुनियों के चिंतन से निःसृत है। हमारे ऋषि-मुनि प्राचीन काल के वैज्ञानिक थे, जो सामाजिक जीवन त्यागकर वनों में अपने आश्रम में शोध से लोक कल्याण के उपाय खोजते थे। उन्होंने अपने खोजे गए सिद्धान्त और उपाय को जन साधारण से जोड़ने के लिए धर्म, त्यौहार और व्रतों का सहारा लिया। ऋषि चिन्तन से पोषित जीवन पद्धति तनाव मुक्ति से आगे की सोच पर आधारित है। तनाव मुक्ति तो समस्थिति है, इसके आगे की सकारात्मकता यह है कि जीवन आनन्दमय हो। भारतीय जीवन दर्शन में पर्व, व्रत और लोक उत्सवों जीवन में आनन्द की सृष्टि के अनुष्ठान है।

एक जैसी दिनचर्या से व्यक्ति के जीवन में नीरसता और ऊब आनी स्वाभाविक है। प्राचीन काल में दिवाली ऐसे समय में आती थी, जब आषाढ़ी फसल घरों में आयी होती थी और कार्तिकी वाली फसल बोकर कृषक थकान से भरा होता था। इस समय जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और उमंग लाने के लिए छोटे-बड़े सात पर्वों को लेकर जगमगाती दिवाली आ जाती थी। समाजशास्त्री कहते हैं कि एक सभ्यता और संस्कृति समाप्त होती है तो दूसरी जन्म लेती है। किन्तु भारतीय सनातन संस्कृति पर यह बात नहीं लागू होती। यह सदियों से स्वयं को परिमार्जित करती सतत प्रवाहमान है। जैसे देशकाल और परिस्थिति के साथ बदली प्रासंगिकता के कारण कार्तिक कृष्णपक्ष की एकादशी को मनाई जाने वाली 'देव पूजा' और इसके अगले दिन वाली 'गोवत्स द्वादशी' का लोक पर्व अब लगभग समाप्त है, किन्तु पाँच पर्वों की शृंखला पूरी जगमगाहट के साथ विद्यमान है।

इसका पहला पर्व है-धन्वन्तरि त्रयोदशी, जो लोक जीवन में धनतेरस के रूप में मान्य है। पौराणिक कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय अमृत कलश के साथ भगवान धन्वन्तरि अवतरित हुए थे। धन्वन्तरि महाराज आयुर्वेद के जनक कहे जाते हैं। वैद्य और सनातन धर्म के अनुयायी कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी को धन्वन्तरी की जयंती मानते हैं। गत 2016 से इस पर्व का 'आयुर्वेद दिवस' के रूप में वैश्विक स्तर पर लोकव्यापीकरण होने लगा है। यह प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। इसकी वैज्ञानिकता पर किंचित प्रकाश डालना प्रासंगिक होगा। आयुर्वेद की एक पुस्तक 'चरक संहिता' है, इसका संचयन मुनि आत्रेय के प्रतिभावान शिष्य अग्निवेश ने किया था। यह ईसापूर्व सातवीं सदी की पुस्तक है, यानि सत्ताईस सौ साल पूर्व की ! इसमें एक कथन है-'यस्य देशस्य यो जन्तुस्तज्ज्म तस्यौषधं हितं'! अर्थात जो प्राणी जिस देश में पैदा हुआ है, उस स्थान की भूमि में पैदा हुई जड़ी-बूटियों से बनी औषधि उसके लिए लाभकारी होंगी। यह एक गूढ़ रहस्य है। यूरोप के विद्वान स्थानीयता के इस सिद्धान्त को अठारहवीं सदी में जान पाए थे। धन्वन्तरी त्रयोदशी के बाद 'नरक चतुर्दशी' मनाई जाती है। यह द्वापर युगीन कृष्णलीला से संदर्भित है, भगवान कृष्ण ने इसी तिथि को नरकासुर का बध करके उसके कारागार से राजाओं और राजकन्याओं को मुक्त कराया था। यह आसुरी शक्तियों पर सत की विजय का स्मृति पर्व है। अपने समेकित अर्थों में यह मन के असुरों-काम, क्रोध, मद, लोभ और अश्लील विचारों को त्याग कर नैतिक मूल्यों को अपनाने का संकल्प है। इसके पश्चात जगमगाती दिवाली...शुचिता, सौन्दर्य, समृद्धि की अधिष्ठात्री महालक्ष्मी की आराधना का पर्व...इससे जुड़े चर्चित-अचर्चित ढेरों प्रसंग हैं। कहा जाता है, कार्तिक अमावस्या को महाराज पृथु ने दीन-हीन मानव को पृथ्वी दोहन करके अन्नादि प्राप्ति का उपाय बताया था। आज के ही दिन समुद्र मंथन से लक्ष्मी का अवतरण का संदर्भ भी इससे जुड़ा है। लंका विजय के पश्चात श्रीराम अयोध्या लौटे तो अयोध्या वासियों ने उल्लास में पूरे नगर को दीपमालाओं से सजाकर पहली दिवाली मनाई थी। महाभारत आदिपर्व, सनत्कुमार संहिता, महर्षि वात्सायन के कामसूत्र में भी दिवाली विषयक संदर्भ हैं। आज दिवाली सुख, शांति और ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री लक्ष्मी की पूजा का पर्व है। इस कड़ी का चौथा पर्व 'गोवर्धन पूजा' है। इसे अन्नकूट भी कहते हैं। यह भी कृष्ण की बाललीला का एक अंश है। ब्रज के लोक जीवन में यह अति समादृत है। इस शृंखला का अंतिम पर्व 'यम द्वितीया' यानि भाई दूज है। कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया को मनाया जाने वाला यह पर्व के साथ भी कई पौराणिक प्रसंग जुड़े हैं। यह भाई-बहन के बीच प्रेम की अक्षुण्णता का उपक्रम है।

जैन ग्रंथ 'कल्पसूत्र' के अनुसार, दीपावली को ही भगवान महावीर स्वामी ने अपनी ऐहिक लीला का संवरण किया था। यह आज से पच्चीस सौ साल पहले की घटना है। इन ढाई हजार वर्षों में देश बड़े झंझावातों के बीच से गुजरा। ईसापूर्व 326 में देश पर सिकन्दर का आक्रमण हुआ। सीमांत के राज्य यूनानियों के उपनिवेश बने। शक और सिथियन आए। देश में हूणों के आक्रमण हुए। यह अत्यंत नृशंस होते थे। स्कंदगुप्त जीवन पर्यंत इनसे लड़ता रहा। विक्रमादित्य को शकों से लंबा युद्ध करना पड़ा। बौद्धों का भी शासन आया। यह समय सनातन संस्कृति के अनुकूल नहीं था। 1192 ईस्वी में तेराइन के द्वितीय युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की पराजय के बाद तो भारतीय संस्कृति और धर्म के लिए कठिन समय की शुरुआत हुई। गौरी की मृत्यु के बाद गुलाम वंश की सत्ता आयी। बाद में खिलजी, तुगलक, सैयद और लोधी वंश के हाथ में सत्ता आती रही। फिर 1526 के बाद मुगल आए। मुगलों में औरंगजेब के शासन का करीब पचास साल तो सनातनी उपक्रमों के लिए बड़ा ही नकारात्मक था। भारतीय परम्परा और जीवन-दर्शन के लिए यह लम्बी अंधेरी रात जैसा कालखण्ड था।

किन्तु भारतीय मनीषा की अपनी मान्यताओं और मूल्यों को समर्पित जिजीविषा भी अतुल्य थी। समय कितना भी विपरीत हुआ, किन्तु भारतीय अपने जीवन का ध्येय-असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृत गमय'-कभी नहीं भूले। असत्य से सत्य, अंधकार से प्रकाश और मृत्यु से अमरता की कामना का यह बृहदारण्यकोपनिषद' का मंत्र सात्विकता का सामूहिक मंत्र बना रहा। 1857 में भारत की सत्ता अंग्रेजों के अधीन हो गई। अंग्रेज भारतीयता के पोषक तो नहीं थे, लेकिन लोक जीवन में सीधा हस्तक्षेप नहीं करते थे।

एक लंबे संधर्ष के बाद 1947 ईस्वी में स्वतंत्रता प्राप्त हुई, अभी हम स्वतंत्रता का अमृतोत्सव मना चुके हैं। विदेशों में भारत की साख बढ़ी है। देश को नई संसद मिली है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमारे राजनेताओं की भूमिका प्रभावशाली बन रही है। इसी वर्ष देश के प्रधानमंत्री ने जी-20 की अध्यक्षता की। इतिहास, शिक्षा, देशज भाषा को लेकर एक चैतन्य परिवेश का निर्माण हो रहा है। कश्मीर से धारा 370 हटाकर एकीकृत भारत का स्वप्न साकार हो चुका है। इसके साथ ही प्रतिगामी ताकतें भी सिर उठा रही हैं। कई राज्यों में चुनाव की रणभेरी बज चुकी ह। सत्ता के लिए समाज में जातिवाद और सांप्रदायिकता के विष का नए सिरे से रोपण हो रहा है।

समाज में विलगाव और वैमनस्य पैदा करने के लिए कई राजनेता अपनी ही धर्म-संस्कृति पर कीचड़ उछालने की घृणित चेष्टा कर रहे हैं। समाज के अन्दर इस प्रकार की गंदी मानसिकता का अस्तित्व सदैव रहा है। हमारे पर्व-त्योहार सदैव इसका शमन करते रहे हैं। पर्वों का एक सामाजिक पक्ष भी होता है। यह लोक से जुड़ी संस्कृति के घटक है। लोक संस्कृति ही समाज के संगठित स्वरूप का निर्माण करती है और उसे विघटन से बचाती है। धन्वन्तरी पूजा, दिवाली की लक्ष्मी की पूजा, अन्नकूट, भाई-दूज या यम-द्वितीया सामाजिक संवाद का अवसर प्रदान करती हैं। संवाद समाज में भ्रातृत्व की सृष्टि करता है। दिवाली जैसे त्योहारों के सातत्य की यह एक सशक्त प्रासंगिकता है।

भगवान धनवंतरि : जहां स्वास्थ्य होता है वहीं लक्ष्मी का वास

बाल मुकुन्द ओझा

इस वर्ष धनतेरस छह दिन तक चलने वाले दिवाली पर्व का पहला दिन है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर आने वाला ये त्योहार इस साल 10 नवंबर को मनाया जा रहा है। इस वर्ष कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 10 नवंबर को दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से आरंभ हो जाएगी। इस त्रयोदशी तिथि का समापन 11 नवंबर को दोपहर 01 बजकर 57 मिनट पर होगा। उदया तिथि के आधार पर धनतेरस का पर्व 10 नवंबर, शुक्रवार को प्रदोषकाल में मनाया जाएगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान धन्वंतरि सागर मंथन के दौरान हाथ में कलश लिए उत्पन्न हुए थे। भगवान धन्वन्तरि आयुर्वेद जगत के प्रणेता तथा वैद्यक शास्त्र के देवता माने जाते हैं। भगवान धन्वंतरि जी की जयंती को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। धनतेरस को स्वास्थ्य के देवता धन्वन्तरि का दिवस माना जाता है। धन्वन्तरि आरोग्य, सेहत, आयु और तेज के आराध्य देवता हैं। माना जाता है कि यदि धनतेरस के दिन विधिपूर्वक भगवान धन्वंतरि की पूजा की जाए तो वे प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। ऐसे में परिवार के लोग निरोगी रहते हैं।

स्कंद पुराण के मुताबिक समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि प्रकट हुए थे। जब वह प्रकट हुए तो उनके हाथ में अमृत कलश और पीतल के आभूषण थे। इसलिए धनतेरस पर भगवान की पूजा के साथ बर्तन या किसी पीली धातु को जरूर खरीदा जाता है। भगवान धन्वंतरि विष्णु के अवतार थे और जब समुद्र मंथन हुआ था तो भगवान धन्वंतरि के साथ शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वदशी के दिन कामधेनु गाय, त्रयोदशी के दिन धन्वंतरि, चतुर्दशी के दिन मां काली और अमावस्या के दिन मां लक्ष्मी का जन्म हुआ था। इसलिए दिवाली से पूर्व धनतेरस मनाया जाता है। यह सर्वविदित है कि जहां स्वास्थ्य होता है वहीं लक्ष्मी का वास इसलिए भगवान धनवंतरि की जहां पूजा होती है, मां लक्ष्मी वहां अपने आप आ जाती हैं ऐसा पौराणिक मान्यताओं में कहा गया है। इसलिए धनतेरस पर धनवंतरि, कुबेर और लक्ष्मी मां की पूजा जरूर करनी चाहिए।

भारत में कई मंदिरों को भगवान धन्वन्तरि मंदिर के रूप में बनाया गया है। तमिलनाडु के वालाजपत में श्री धन्वंतरि आरोग्यपीदम मंदिर स्थापित है। इस आरोग्य मंदिर का निर्माण श्रीमुरलीधर स्वामिगल ने करवाया था। मध्य प्रदेश के मंदसौर में स्थापित तक्षकेश्वर मंदिर में नागराज तक्षक और आरोग्य देव धन्वंतरि की मूर्ति स्थापित है। इस मंदिर के निर्माण के पीछे महाराज परीक्षित की सर्प काटने से मृत्यु और फिर उनके पुत्र जन्मेजय द्वारा नागों से प्रतिशोध की पौराणिक कथा जुड़ी है। कोयंबटूर में स्थित श्री धन्वंतरी मंदिर तमिलनाडु में एक और लोकप्रिय भगवान धन्वंतरी जी का मंदिर है। भगवान धन्वंतरि के सबसे प्रमुख और प्राचीन मंदिरों में से एक है नेल्लुवाई का धन्वंतरि मंदिर। किंवदंती में कहा गया है कि मंदिर में मूर्ति अश्विनी देवों द्वारा स्थापित की गई थी और यह वही मूर्ति थी जिसकी श्री द्वारा पूजा की जाती थी। पेरिंगवे में श्री धन्वंतरि मंदिर केरल में त्रिशूर शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक और पुराना धन्वंतरि मंदिर है। मंदिर का गर्भगृह 2 मंजिलों के साथ गोल आकार में बनाया गया है, जो अन्य केरल शैली की वास्तुकला के विपरीत एक दुर्लभ डिजाइन है। थोट्टूवा श्री धन्वंतरि मंदिर भारत के कुछ भगवान धन्वंतरि मंदिरों में से एक है। इस मंदिर के पीठासीन देवता धन्वंतरि हैं और उनकी मूर्ति लगभग छह फीट लंबी और पूर्व की ओर उन्मुख है। श्री रुद्र धन्वंतरि मंदिर जो लगभग 3500 वर्ष पुराना है, पुलमंथोले के केंद्र में स्थित है। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में स्थित राजबाड़ा के पास आड़ा बाजार में भगवान धन्वंतरि का 180 साल पुराना मंदिर है, जहां धनतेरस पर बड़ी संख्या में इंदौर के अधिकतर वैद्य और अन्य लोग दर्शन के लिए सुबह से आना शुरू हो जाते हैं। भारत के पूर्वी तट पर पूर्वी गोदावरी क्षेत्र में एक धन्वंतरि मंदिर है। यह आंध्र प्रदेश का सबसे पहला धन्वंतरि को समर्पित मंदिर है।

धनतेरस पर लोग अपने घरों में दीपक जलाते हैं। भगवान धन्वंतरि की पूजा करते है। पौराणिक मान्यता है जो भी धनतेरस पर भगवान कुबेर, मां लक्ष्मी संग धन्वंतरि की पूजा करता है उसका घर हमेशा धन-धान्य, सुख-सुविधा और वैभव से परिपूर्ण रहता है। धनतेरस पर ज्यादातर लोग सोने-चांदी से बनी चीजों को प्रमुखता से खरीदते हैं और इसके लिए शुभ मुहूर्त पर विचार करते हैं। धनतेरस पर शुभ मुहूर्त पर सोने चांदी से बने बर्तन या आभूषण खरीदने पर बहुत ही शुभ परिणाम प्राप्त होता हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कविता

ऐसा दीप जलाएँ

आओ हमसब मिलकर ऐसा दीप जलाएँ
आलोकित हों जिसकी लौ से सभी दिशाएँ

जग में बादल अंधकार के घने हुए हैं
कई जगह धूर्तों के अड्डे बने हुए हैं
अब वो अलख जगाना होगा जन मानस में
जो झंझावातों से कभी न बुझने पाएँ

आपस की कटुता के चलते देश हिला है
निजी स्वार्थ के कारण बदतर सिला मिला है
सद्भाव के रस्ते से हम कभी न भटकें
लोकतंत्र को अटूट रखने ज़ोर लगाएँ

नाम पे मज़हब के आपस में कभी न लड़ें
फरेबियों की कुटिलताओं में कभी न पड़ें
हिंसा करना कोई धर्म नहीं सिखलाता
रक्षा करें मानवता की न ख़ून बहाएँ

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

कांग्रेस 36 कौमों की पार्टी, सबको साथ लेकर चलती है : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस 36 कौमों की पार्टी है और सबको साथ लेकर चलती है। उन्होंने यह भी कहा कि गत पांच साल में कांग्रेस सरकार ने राज्य का सर्वांगीण विकास किया है। वह बामनवास के बाटोदा में 'कांग्रेस गारंटी संवाद' कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। गहलोत ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने पिछले पांच साल में राज्य का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया है तथा महंगाई राहत कैंप के जरिए 10 योजनाओं से हर परिवार एवं व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया है। उन्होंने दावा किया कि इन्हीं जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर पूरे देश में राजस्थान की सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में आगे बढ़कर अब कांग्रेस सात गारंटियां प्रदेशवासियों को दे रही है, जिससे महिलाओं, बच्चों, किसानों, पशुपालकों, सरकारी कार्मिकों को सामाजिक और आर्थिक सम्बल मिलेगा। आधिकारिक बयान के अनुसार गहलोत ने जनसभा में कहा कि कांग्रेस सरकार ने जो वादे किए, उन्हें उसने पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि 36 कौमों की पार्टी है, जिन्हें साथ लेकर ही वह आगे बढ़ती है। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों से चल रहा विकास का सिलसिला अब रुकना नहीं, बल्कि तेज गति से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जनसमर्थन से ही फिर राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी और योजनाओं का लाभ निरंतर मिलता रहेगा।

गहलोत ने शपथ पत्र में ऐसे दो मामलों का जिक्र नहीं किया जो गंभीर अपराधों से जुड़े हैं : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/जोधपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जोधपुर की सरदारपुरा सीट से नामांकन दाखिल करते समय शपथ पत्र में अपने ऊपर दर्ज आपराधिक मामले छिपाने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता को ज्ञापन देकर कहा कि गहलोत ने जानबूझकर प्राथमिकी (एफआईआर) की जानकारी नहीं दी।

उन्होंने कहा कि नामांकन दाखिल करते समय संलग्न शपथ पत्र में गहलोत ने दो ऐसे मामलों की जानकारी नहीं दी जो संज्ञेय एवं गंभीर प्रकृति के हैं। शेखावत ने जयपुर में ज्ञापन देने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, नामांकन पत्र के साथ दाखिल शपथ पत्र में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने खिलाफ चल रहे दो ऐसे मामलों का जिक्र नहीं किया है जो संज्ञेय हैं और गंभीर अपराधों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत को मुकदमों की पूरी जानकारी थी फिर भी शपथ पत्र में उनका जिक्र नहीं किया गया।

उन्होंने कहा, एक मामला भूमि घोटाले से संबंधित है और दूसरा लूट और बलात्कार जैसे अपराध से संबंधित है। उन्होंने अपने शपथपत्र में दोनों मामलों के संबंध में जानकारी छिपाई है जो लोक प्रतिनिधित्व कानून की धारा 25 ए के तहत संज्ञेय है। उन्होंने कहा, हमने चुनाव आयोग से शिकायत की है कि इस पर संज्ञान लेकर वह समुचित कार्रवाई करे।

जोधपुर में इसी आधार पर गहलोत के नामांकन पर आपत्ति जताए जाने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव अधिकारी से ब्योरा मांगा है। चुनाव आयोग द्वारा कल की गई जांच में गहलोत के नामांकन पत्र को सही पाए जाने के बाद शिकायतकर्ता पवन पारीक ने शिकायत दर्ज कराई। पारीक ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि इस नामांकन में गहलोत ने मनगढ़ंत और झूठा शपथ पत्र दाखिल किया है और उनके नामांकन को खारिज करने के साथ ही उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है।

शिकायत में कहा गया है गहलोत को अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के बारे में पूरी जानकारी देनी चाहिए थी लेकिन यह अधूरा था और दो आपराधिक मामलों को छुपाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने बताया कि आपत्ति दर्ज कर संबंधित चुनाव अधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है। उन्होंने कहा कि 'रिपोर्ट मिलने के बाद हम मामले की जांच करेंगे।' इस मामले पर गहलोत के कार्यालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

राजस्थान में कांग्रेस की पुनः सरकार बनेगी : खेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा है कि देश के हालात खराब है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आने वाली पीढ़ी में विवाद की नींव डाल रही है , जबकि कांग्रेस संवाद स्थापित करती है। संवाद से हल निकलते है और सौहार्द बना रहता है।

खेड़ा गुरुवार को राजस्थान के अजमेर में कांग्रेस की ओर से आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को नौजवानों और किसानों की चिन्ता है। राज्य में अशोक गहलोत सरकार ने जितने जनहित में काम किये है, वे 'मार्केबल' हैं। गहलोत सरकार ने 97 फीसदी वायदे पूरे किये हैं।उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में कांग्रेस की पुनः सरकार बनेगी। अभी रोटी को 'पलटने' का समय नहीं है। अभी 'विकास की रोटी' सिकने का समय है। कांग्रेस की यही चिन्ता है कि इतने अभूतपूर्व कामों और जनकल्याणकारी योजनाओं के बावजूद कदाचित स्थिति बदली हुई निकली तो फिर कांग्रेस क्या कोई पार्टी भविष्य में विकास कराने से ये सोचकर गुरेज करेगी कि काम का भी कोई फायदा नहीं मिलता।

उन्होंने कहा कि इसीलिए कांग्रेस को 'गारंटी' जैसे शब्द मैदान में लाने पड़े। गहलोत की गारंटी राज्य की जनता को राहत देने का काम कर रही है और आगे भी करेगी। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने एक लाख 65 हजार नौकरी देकर बेरोजगारी दूर करने का काम किया।

लूनी से प्रेम सिंह को इस बार टिकट नहीं मिलने से निराश

राजस्थान विधानसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान में लूनी विधानसभा सीट से कई बार किस्मत आजमाने और हर बार असफल रहने वाले प्रेम सिंह इस बार चुनाव मैदान से बाहर हैं और अपनी निराशा को जाहिर करते हुए वह कहते हैं, यदि कोई बच्चा परीक्षा में फेल हो जाता है, तो क्या आप उसे विद्यालय भेजना बंद कर देंगे। पिछले विधानसभा चुनाव में जोधपुर की लूनी विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रेम सिंह (68) को मैदान में उतारा था, लेकिन उनके हार जाने के चलते इस बार आप ने उन्हें टिकट नहीं दिया।

सिंह लूनी निर्वाचन क्षेत्र से कई बार चुनाव हार चुके हैं। 2008 के चुनाव में, वह जागो पार्टी से चुनाव मैदान में उतरे थे और उन्हें 446 वोट मिले। वह 2013 में अखिल भारतीय आम जन पार्टी के टिकट पर लड़े और उन्हें 440 वोट मिले। उन्होंने 2018 का विधानसभा चुनाव आप उम्मीदवार के तौर पर लड़ा और कुल 898 वोट मिले। सिंह का कहना है कि उस हार के बावजूद, उन्होंने पिछले पांच वर्षों में अरविंद केजरीवाल की पार्टी के लिए प्रचार करना जारी रखा। उन्होंने बताया कि वह अपनी मोटरसाइकिल या साइकिल पर बिछौना साथ लेकर निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करते थे।

सिंह इससे पहले सरपंच पद के लिए भी चुनाव हार चुके हैं। सिंह ने बताया कि उन्होंने पार्टी से टिकट के लिए नामांकन के आखिरी दिन तक इंतजार किया। उन्होंने कहा, पार्टी आलाकमान ने मुझे फिर से टिकट मिलने का आश्वासन दिया था। लेकिन पार्टी ने जोधपुर शहर को छोड़कर कोई भी उम्मीदवार नहीं उतारा।

आप जोधपुर की नौ विधानसभा सीटों में से केवल इस एक निर्वाचन क्षेत्र में मैदान में है। सिंह ने कहा, मैं अब निराश हूं क्योंकि मैं फिर से चुनाव लड़ना चाहता था और इस बार पार्टी के लिए कड़ी मेहनत की थी। सिंह ने कहा कि निराशा के बावजूद वह आप कार्यकर्ता बने रहेंगे और लोगों के साथ अपने जुड़ाव पर काम करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि बार-बार की असफलताओं के बावजूद वह प्रचार करना क्यों जारी रखते हैं, तो उन्होंने कहा, कोई बच्चा फेल हो जाए तो उसे स्कूल नहीं भेजेंगे क्या?

सिंह ने कहा, लूनी विधानसभा एक सामान्य श्रेणी की सीट है और सभी प्रमुख दल अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) उम्मीदवारों को मैदान में उतार रहे हैं। चुनाव लड़ना मेरा अधिकार है। सिंह खेती से अपनी जीविका चलाते हैं और अन्य पिछड़ा वर्ग से नहीं हैं। यह पूछे जाने पर कि वह एक निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे हैं, सिंह ने कहा, मैंने पूरे पांच साल साइकिल पर 'झाड़ू' (आप का चुनाव चिह्न) के लिए प्रचार किया। इतने कम समय में गांवों को किसी अन्य चिह्न के लिए वोट करने के लिए समझाना मुश्किल है।

सिंह चुनाव भले ही नहीं जीतें, लेकिन उनकी भाषणकला को अन्य लोग स्वीकार करते हैं। जोधपुर में पार्टी कार्यकर्ता पंकज वाघेला ने कहा, प्रेम सिंह जी एक समर्पित कार्यकर्ता हैं। सभी ने उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करते देखा है। मैंने उन्हें लूनी निर्वाचन क्षेत्र के हर गांव में साइकिल चलाते हुए देखा है और वह एक जाना-पहचाना चेहरा हैं। उन्हें टिकट मिल सकता था, लेकिन पार्टी ने इस बार कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। आप के एक अन्य कार्यकर्ता प्रशांत कहते हैं, सभी कार्यकर्ता उनकी प्रशंसा करते हैं। लोग उन्हें उनके अनोखे अंदाज और साइकिल से जानते हैं।

छत्तीसगढ़ की सरकार ने महादेव के नाम पर सट्टा शुरू कर दिया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जशपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंद्रयान के उतरने वाले स्थान का नाम 'शिव शक्ति' रखकर भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्ति की लेकिन छत्तीसगढ़ की (कांग्रेस) सरकार ने महादेव के नाम पर 'सट्टा' शुरू कर दिया।

शाह ने जशपुर जिले के बगीचा क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद, पांच वर्ष के भीतर राज्य से नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार है, मोदी ने चंद्रयान भेजा चंद्रमा पर, और जहां चंद्र यान उतरा, उस जगह का नाम 'शिव शक्ति पॉइंट' रख कर उन्होंने भगवान शंकर के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। यहां छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है, उन्होंने क्या किया? महादेव ऐप से जोड़कर सट्टा खोलने का काम किया। शर्म करें, कम से कम महादेव को तो छोड़ देते।'

शाह राज्य में कथित महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप घोटाले का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार पर चावल घोटाला और अन्य घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा, 'यहां का बच्चा बच्चा कह रहा है 'सट्टे पे सट्टा कौन करा रहा, भूपेश कक्का'।' भूपेश बघेल को राज्य में 'कका' कहा जाता है।

भाजपा नेता ने पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार के दौरान देश के असुरक्षित हाथों में होने का आरोप लगाया और कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद सर्जिकल स्ट्राइक की गई। उन्होंने कहा, 'जब कांग्रेस की सरकार थी तब रोज पाक से आतंकवादी घुस कर हमारे यहां धमाके करते थे। जब मोदी सरकार बनी तब आतंकवादियों ने उरी और पुलवामा में भी हमला करने की कोशिश की लेकिन 10 दिनों के भीतर ही पाक में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक करके आतंकवादियों का सफाया किया।''

उत्तर प्रदेश रेरा ने 1000 प्रवर्तकों पर लगाया जुर्माना

नोएडा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश भूसंपदा विनियामक प्राधिकरण (उप्र रेरा) ने 1000 से अधिक प्रवर्तकों पर उनकी परियोजनाओं के लिए जुर्माना लगाया गया है। उप्र रेरा की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, रेरा ने उत्तर प्रदेश के 732 परियोजनाओं पर दो-दो लाख और 356 परियोजनाओं पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कुल 1088 परियोजनाओं पर 18.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्रवर्तकों पर यह कार्रवाई परियोजना की तिमाही प्रगति रिपोर्ट (क्यूपीआर) दाखिल न करने को लेकर की गई। उप्र रेरा ने आगाह किया कि अगर जुर्माना राशि तत्काल जमा नहीं की गई तो फिर 'रिकवरी सर्टिफिकेट' जारी कर वसूली की जाएगी। उत्तर प्रदेश रेरा के सचिव प्रमोद कुमार उपाध्याय ने कहा, '' इस समय 3515 परियोजनाएं पंजीकृत हैं और इनमें से 1400 का निर्माण पूरा हो चुका है। बाकी निर्माणाधीन हैं। बिल्डरों को परियोजना की तिमाही तथा वार्षिक प्रगति रिपोर्ट देनी जरूरी होती है, लेकिन ज्यादातर बिल्डर रिपोर्ट नहीं दे रहे हैं। '' उन्होंने कहा, '' 732 परियोजनाओं पर दो-दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इन मामलों में बिल्डरों ने परियोजना पूरा करने व निर्माण के संबंध में लक्ष्य तय नहीं किए हैं। वहीं 356 परियोजनाओं के बिल्डरों ने क्यूपीआर को अद्यतन नहीं किया। इसलिए उन पर एक-एक लाख रु. का जुर्माना लगाया। उप्र रेरा ने कुल 1088 परियोजनाओं पर 18.20 करोड़ रु. का जुर्माना लगाया है।''

जनप्रतिनिधियों के खिलाफ मुकदमों की निगरानी के लिए विशेष पीठ गठित करें उच्च न्यायालय: शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक अहम फैसले के तहत सभी उच्च न्यायालयों को जनप्रतिनिधियों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की निगरानी के लिए एक विशेष पीठ गठित करने का निर्देश दिया, ताकि उनका शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।

इस आदेश का मकसद नेताओं के खिलाफ 5,000 से अधिक आपराधिक मामलों में त्वरित सुनवाई है। शीर्ष अदालत ने विशेष अदालतों से यह भी कहा कि वे दुर्लभ और बाध्यकारी कारणों को छोड़कर ऐसे मामलों की सुनवाई स्थगित न करें। उच्च न्यायालयों, जिला न्यायाधीशों और सांसदों-विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालतों को कई निर्देश जारी करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के खिलाफ दायर आपराधिक मामलों को प्राथमिकता दी जाए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय के विद्वान मुख्य न्यायाधीश संसद, विधान सभाओं और विधान परिषदों के सदस्यों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे की निगरानी के लिए 'सांसदों/विधायकों के लिए पुनः नामित अदालतें' शीर्षक से स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करेंगे।

ओडिशा के निजी बस मालिक एक दिसंबर से हड़ताल पर जाएंगे

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में निजी बस मालिकों के संगठन ने घोषणा की है कि सरकार द्वारा पंचायत क्षेत्रों से ब्लॉक स्तर तक बसें संचालित करने की योजना के विरुद्ध सरकारी बस सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर वे एक दिसंबर से हड़ताल पर जाएंगे। निकाय के एक पदाधिकारी ने कहा कि बुधवार को 'ओडिशा प्राइवेट बस ऑनर्स एसोसिएशन' के सदस्यों की एक बैठक में यह निर्णय किया गया कि अगले महीने की शुरुआत से लगभग 8,000 बसें सड़कों से नदारद रहेंगी। निकाय के सदस्य बरदा प्रसन्ना आचार्य ने कहा कि उन्होंने 22 नवंबर को भुवनेश्वर में ओडिशा विधानसभा के सामने धरना देने का भी फैसला किया है।

महिलाओं का सशस्त्र बलों में शामिल होना देश के बदलते परिदृश्य को दर्शाता है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के टी परनाइक (सेवानिवृत्त) ने कहा कि महिलाओं का सशस्त्र बलों में शामिल होना देश के बदलते परिदृश्य को दर्शाता है।

बुधवार को नगालैंड के सुखोवी में असम राइफल्स ट्रेनिंग सेंटर एंड स्कूल (एआरटीसी एंड एस) में असम राइफल्स की महिला रंगरूटों के प्रशिक्षण के उपरांत 'अटेस्टेशन परेड' की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि महिला रंगरूटों की परेड महिला सशक्तीकरण का सबसे अच्छा उदाहरण है। परनाइक ने कहा, ''ये महिलाकर्मी अपने और अपने परिवार के लिए अच्छी आजीविका सुनिश्चित करेंगी और भविष्य में लड़कियों को अपने पैरों पर खड़े होने और देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित करेंगी।'' राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राज्यपाल ने मैना सैकिया के नेतृत्व में मार्चिंग टुकड़ियों की सलामी ली। राज्यपाल ने परेड में शामिल महिला रंगरूटों, केंद्र के अधिकारियों और प्रशिक्षकों की सराहना की, जिसका उद्देश्य सक्षम, अनुशासित और शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ सैनिक बनाना है। उन्होंने कहा कि असम राइफल्स के जवान उग्रवाद विरोधी अभियान के लिए क्षेत्रों में तैनात हैं, इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि वे दक्षता और प्रभावशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए खुद को तैयार करें।

मोदी की डिग्री मामला: अदालत ने अरविंद केजरीवाल की पुनरीक्षण याचिका खारिज की

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात उच्च न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की वह याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के गुजरात विश्वविद्यालय को दिए गए निर्देश को रद्द करने के उसके पहले के आदेश के पुनरीक्षण का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति बीरेन वैष्णव ने जून में दायर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता केजरीवाल की पुनरीक्षण याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। सितंबर में दोनों पक्षों की ओर से अंतिम दलीलों के बाद उच्च न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

न्यायमूर्ति वैष्णव ने गत मार्च में सीआईसी के आदेश के खिलाफ विश्वविद्यालय की अपील स्वीकार करते हुए केंद्रीय सूचना आयोग के उस निर्देश को रद्द कर दिया था जिसमें गुजरात विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री मोदी की मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) की डिग्री को लेकर केजरीवाल को जानकारी प्रदान करने के लिए कहा गया था। न्यायाधीश ने आम आदमी पार्टी के नेता केजरीवाल पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था। केजरीवाल की पुनरीक्षण याचिका में उल्लेखित प्रमुख दलीलों में से एक यह भी थी कि मोदी की डिग्री ऑनलाइन उपलब्ध होने के गुजरात विश्वविद्यालय के दावे के विपरीत, विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

कांग्रेस ने 'संकीर्तन सत्याग्रह' किया, पुरी जगन्नाथ मंदिर के सभी द्वार खोलने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। विपक्षी कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने विरोध के एक नए तरीके के तहत बृहस्पतिवार को पुरी में भगवान के 12वीं सदी के मंदिर के सभी चारों द्वार खोलने की मांग करते हुए ओडिशा के विभिन्न जगन्नाथ मंदिरों के सामने 'संकीर्तन' किया।

'संकीर्तन सत्याग्रह' (संगीत के साथ भगवान की स्तुति करते हुए सामूहिक जप) आंदोलन राज्य भर के सभी 314 प्रखंडों एवं शहरी स्थानीय निकायों में आयोजित किया गया था। कांग्रेस ने पुरी जगन्नाथ मंदिर के चार द्वारों के अलावा, मंदिर स्थित भगवान के रत्न भंडार (खजाना) को खोलने और उसकी सूची बनाने की भी मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि रत्न

भंडार 45 वर्षों तक नहीं खोला गया है, जबकि कानून में भगवान के खजाने में कीमती वस्तुओं की सूची तैयार करने का प्रावधान है।

पूरा वातावरण 'जय जगन्नाथ' के जयकारों से गूंज उठा क्योंकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने झांझ और मृदंग बजाकर ऊंचे स्वर में भगवान के जयकारे लगाए । जहां पार्टी कार्यकर्ताओं के एक समूह ने पुरी में श्री मंदिर के पास संकीर्तन किया, वहीं इसी तरह का एक कार्यक्रम पार्टी के राज्य मुख्यालय, भुवनेश्वर में कांग्रेस भवन के पास भी देखा गया। पुरी और कई अन्य स्थानों में, संकीर्तन सत्याग्रह में श्रद्धालुओं की भागीदारी भी देखी गई।

दारुल उलूम ने फलस्तीनी यतीम बच्चों को शरण देने के दावे को अफवाह बताया

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। सहारनपुर जिले के देवबंद स्थित इस्लामी शिक्षण संस्थान दारुल उलूम देवबंद ने सोशल मीडिया पर किए जा रहे इन दावों का खंडन किया है कि उसने फिलिस्तीन में अनाथ हुए बच्चों को शरण दी है। उसने ऐसे दावों को झूठी अफवाह करार दिया है। दारुल उलूम के मीडिया प्रभारी अशरफ उस्मानी ने 'पीटीआई- भाषा' को बताया कि पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैल रही है कि फलस्तीन से कुछ अनाथ बच्चे दारुल उलूम देवबंद आए हैं और इन्हें उन लोगों को सौंपा जा रहा है जो उन्हें गोद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमने शुरुआत में इन अफवाहों को नजरअंदाज किया, लेकिन अब लोगों ने गोद लेने के संबंध में पूछताछ करनी शुरू कर दी है। इसलिए हम साफ करना चाहते हैं कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। फलस्तीन से अनाथ बच्चे यहां नहीं आए हैं।

ओबीसी, दलितों,आदिवासियों का दर्द समझने के लिए जातीय जनगणना का ''एक्स-रे'' जरूरी : गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अशोक नगर (मध्यप्रदेश)/भाषा। जातिगत जनगणना को ''एक्स-रे रिपोर्ट'' बताते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ओबीसी के लोगों, दलितों और आदिवासियों की वास्तविक आबादी के अनुपात में सरकार में उनकी भागीदारी पक्की करने के लिए इस तरह की गिनती जरूरी है। मध्य प्रदेश में जातिगत जनगणना कराना कांग्रेस के चुनावी वादों में शुमार है।

गांधी ने यहां एक चुनावी सभा में कहा,''किसी व्यक्ति को जब चोट लगती है, तो हम यह पता लगाने के लिए उसका एक्स-रे कराते हैं कि उसकी हड्डी टूटी है या नहीं। इसी तरह, मैं जातिगत जनगणना को भी एक्स-रे (रिपोर्ट) कहता हूं।'' उन्होंने कहा कि ओबीसी के लोगों, दलितों और आदिवासियों को बेरोजगारी और महंगाई के कारण जबर्दस्त कष्ट हो रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि जातिगत जनगणना से इन समुदायों की वास्तविक आबादी पता चल सकेगी जिसके अनुपात में सरकार में इनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी।

गांधी ने दावा किया कि जातिगत जनगणना के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौन बने हुए हैं। उन्होंने कहा,''मोदी अपने आप को ओबीसी बताते हैं, पर जब भी जातिगत जनगणना की बात आती है, तो वह कहते हैं कि हिंदुस्तान में केवल एक जाति है और वह है गरीब।'' उन्होंने दावा किया कि देश चलाने वाली केंद्र सरकार के 90 शीर्ष अफसरों में केवल तीन अधिकारी ओबीसी वर्ग के हैं। गांधी ने कहा,''अगर हिंदुस्तान का बजट 100 रुपये का है, तो ओबीसी के अफसर केवल पांच रुपये के खर्च का निर्णय लेते हैं, जबकि आदिवासी अफसर केवल 10 पैसे के व्यय का फैसला लेते हैं।'' गांधी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में विनिवेश और निजीकरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन कदमों के कारण ओबीसी, दलित और आदिवासी वर्ग के लोग सरकारी भर्तियों से दूर हो गए हैं।

न्यायालय ने 23 साल पुराने मामले में सुरजेवाला को गैर जमानती वारंट से संरक्षण प्रदान किया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने 23 साल पुराने आपराधिक मामले में वाराणसी की सांसद/विधायक अदालत द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट से कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को बृहस्पतिवार को संरक्षण प्रदान कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गैर-जमानती वारंट रद्द कराने के लिए सुरजेवाला को पांच सप्ताह के भीतर विशेष न्यायाधीश (सांसद/विधायक) वाराणसी की अदालत से संपर्क करने को कहा।

मामला तब सुनवाई के लिए आया जब सुरजेवाला की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने सुबह इस मामले का उल्लेख करते हुए तत्काल सुनवाई का आग्रह किया। यह मामला वर्ष 2000 का है। सुरजेवाला उस समय भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उन पर वाराणसी में संवासिनी मामले में कांग्रेस नेताओं को कथित रूप से झूठा फंसाए जाने के विरोध में हंगामा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

मेरे पास छिपाने को कुछ नहीं, स्कूल रोजगार घोटाले की जांच में सहयोग किया : अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय से बाहर आने के बाद बृहस्पतिवार को कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और वह राज्य में कथित स्कूल रोजगार घोटाले की जांच में केंद्रीय एजेंसी के साथ सहयोग करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

अभिषेक बनर्जी बंगाल में कथित स्कूल रोजगार घोटाले की जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए कोलकाता में ईडी कार्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी

दोपहर के ठीक बाद केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय से बाहर निकले। टीएमसी सांसद ने कहा कि उन्होंने एजेंसी को लगभग छह हजार पन्नों का जवाब और उसके द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेज सौंपे हैं।

ईडी कार्यालय के बाहर संवाददाताओं से उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा जांच में सहयोग किया है। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। अगर मुझे दोबारा समन भेजा गया तो मैं ईडी के सामने पेश होने के लिए तैयार हूं। मैंने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना विस्तृत जवाब सौंप दिया है।''

बिहार विस ने एससी, एसटी व ओबीसी के लिए आरक्षण सीमा बढ़ाकर 65 फीसदी करने को मंजूरी दी

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) एवं अति पिछड़ा वर्गों (ईबीसी) एवं अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण की मौजूदा सीमा 50 फीसदी को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में इन वर्गों के आरक्षण को बढ़ाने के प्रस्ताव वाले विधेयकों को विधानसभा ने ध्वनि मत के जरिए सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

विधेयक के अनुसार, एसटी के लिए मौजूदा आरक्षण दोगुना कर किया जाएगा जबकि एससी के लिए इसे 16 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 फीसदी किया जाएगा। वहीं, ईबीसी के लिए आरक्षण 18 फीसदी से बढ़ाकर 25 प्रतिशत तो ओबीसी के लिए आरक्षण को 12 फीसदी से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया जाएगा। इससे पहले विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा महिलाओं के संबंध में की गई कथित विवादास्पद टिप्पणी सहित कई अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि विपक्षी सदस्यों ने आसन के पास आकर हंगामा किया और वे सत्ता पक्ष के सदस्यों के करीब पहुंच गए। हंगामा कर रहे सदस्यों ने इस दौरान कुर्सियां भी उठा लीं। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने आदेश दिया कि सदन में हंगामा कर रहे सदस्यों के नाम नोट किए जाएं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

परनीत ने ज्योति को हराकर पहला व्यक्तिगत स्वर्ण जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकॉक/भाषा। किशोर तीरंदाज परनीत कौर ने गुरुवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में शीर्ष भारतीय कम्पाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम को पछाड़कर व्यक्तिगत खिताब के साथ अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की

कम्पाउंड तीरंदाज एक बार फिर अपने रिकर्व टीम पर भारी पड़े। भारत ने तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक जीते। इन सात पदकों में से केवल एक कांस्य रिकर्व वर्ग (महिला टीम) में आया। कम्पाउंड महिला वर्ग का खिताबी मुकाबला भारत की दो तीरंदाजों के बीच था। मुकाबले के बीच में प्रणीत दो अंकों से पिछड़ रही थी लेकिन 18 साल की इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 145-145 कर दिया। एशियाई खेलों में हाल में स्वर्ण पदक का हैट्रिक लगाने वाली ज्योति

भारतीय तीरंदाजों ने सात पदक हासिल किये

टाई-ब्रेकर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी। वह शूट-ऑफ में परनीत से 8-9 से हार गई। अदिति स्वामी और प्रियांश की मिश्रित कंपाउंड जोड़ी ने भारत को दिन का दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। इस जोड़ी ने एक तरफा फाइनल में थाईलैंड को 156-151 से हराया। ज्योति, परनीत और अदिति की महिला टीम ने कम्पाउंड फाइनल में चीनी ताइपै को 234-233 से हराकर स्वर्ण पदक के साथ एशियाई खेलों की अपनी सफलता को दोहराने में सफल रहीं। भारत ने अपना तीसरा कांस्य पदक पुरुषों के व्यक्तिग कम्पाउंड वर्ग में हासिल किया। अभिषेक वर्मा ने इस में दक्षिण कोरिया के जो जाएहून को 147-146 से हराया। रिकर्व वर्ग के तीरंदाजों का खराब प्रदर्शन इस प्रतियोगिता में भी जारी रहा जहां कोई भी तीरंदाज क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया। धीरज बोम्मदेवरा को तांग चिह-चुन ने 3-7 से हराया जबकि उनके सेना के उनके अनुभवी सहयोगी तरूणदीप राय को दक्षिण कोरिया के किम जे डेओक ने 0-6 (27-29, 28-29 29-30) से मात दी।

महिला वर्ग में भारतीय तीरंदाज प्री-क्वार्टर फाइनल की बाधा को पार करने में विफल रहे। भजन कौर दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक लिम सिह्योन से 0-6 (28-29, 26-30, 26-29) से हार गईं, जबकि टीशा पुनिया चीन की हाई लिगन के खिलाफ सिर्फ एक अंक हासिल कर सकी। चीन की खिलाड़ी से वह 1-7 (24-29, 27-27, 28-29, 27-28) से हार गई।

बजरंग पूनिया को आपराधिक मानहानि मामले में जमानत मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पहलवान बजरंग पूनिया को कोच नरेश दहिया द्वारा दायर आपराधिक मानहानि मामले में दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को जमानत दे दी। दहिया ने इस पहलवान पर भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तामान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने बयान से उनकी छवि खराब करने का आरोप लगाया था।

पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान बजरंग ने कहा था कि दहिया के पास उनके आंदोलन का

विरोध करने का नैतिक आधार नहीं है क्योंकि उनके खिलाफ बलात्कार का मामला चल रहा है। दहिया ने तब अदालत का रुख किया था। बजरंग को हाल ही में एशियाई खेलों में हार का सामना करना पड़ा था। वह बिना पदक के वापस लौटे थे। अदालत में दहिया की पैरवी करने वाले वकील राजेश कुमार रेक्सवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''बजरंग ने अदालत में खुद उपस्थिति से छूट मांगी थी। वह पहली तीन सुनवाई मौजूद नहीं रहे थे। वह आज शारीरिक रूप से पेश हुए और अदालत ने उन्हें जमानत दे दी है। सुनवाई की अगली तारीख पांच मार्च है।'' दहिया ने अदालत में दावा किया कि उन्हें बलात्कार के मामले में बरी किया जा चुका है और बजरंग के बयान से उनका नाम खराब हुआ। पहलवान बजरंग, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ विरोध का नेतृत्व करते हुए आरोप लगाया था कि उन्होंने कई महिला पहलवानों का यौन शोषण किया है। बृजभूषण ने इन आरोपों ने इनकार किया और वे अब इस मामले में अदालती मुकदमे का सामना कर रहे हैं।

सुविचार

बहुत अच्छा लगेगा ज़िन्दगी का ये सफ़र, आप वहा से याद करना, हम यहाँ से मुस्कुराएंगे।?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निशाना बदलना होगा

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में बृहस्पतिवार तड़के अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी रेंजर्स की गोलीबारी में बीएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल लाल फाम कीमा का वीरगति को प्राप्त होना अत्यंत दु:खद है। इस समय पूरा देश दीपावली की तैयारियां कर रहा है, जबकि हेड कॉन्स्टेबल कीमा के परिवार के लिए शोक की घड़ी आई है। पाकिस्तानी रेंजर्स द्वारा की गई इस गोलीबारी की घटना के तीन बिंदु अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं: गोलीबारी बृहस्पतिवार तड़के की गई, यह नियंत्रण रेखा पर नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर की गई और बिना उकसावे के की गई। सीमा पर गोलीबारी एक तरह से युद्ध को न्योता देने जैसा होता है। पिछले कई सालों का पैटर्न देखें तो पता चलता है कि पाकिस्तान दीपावली के आस-पास अचानक गोलीबारी करता है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तड़के गोलीबारी के पीछे उसका इरादा घुसपैठियों की मदद करना भी हो सकता है। हम भारतवासी दीपावली के पर्व पर प्रभु श्रीराम के स्वागत की तैयारियां कर रहे हैं, लेकिन दीपोत्सव से पहले एक और रावण का वध करना होगा, जो सरहद पार बैठा है। इसके संहार के बिना न तो हम सुख-शांति से त्योहार मना सकते हैं और न सुरक्षित रह सकते हैं। भारत के एक भी सैनिक का लहू बहता है तो यह केवल उसकी और उसके परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि समस्त भारतवासियों की पीड़ा होनी चाहिए। हेड कॉन्स्टेबल कीमा का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। इसके जवाब में पाकिस्तान में लंका-दहन होना चाहिए, आतंकवाद के रावण की नाभि में अग्निबाण मारना चाहिए। भारतीय सैनिकों पर हमला करने के लिए पाकिस्तान इतना दुस्साहस कहां से लाता है? इसके लिए अतीत में हमारे द्वारा बरती गई नरमी के साथ कुछ नीतियां भी जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान जानता है कि अगर भारत जवाबी कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों के कैंप नष्ट होंगे, कुछ आतंकवादी भी मारे जाएंगे।

अगर एक कैंप नष्ट हो गया तो कुछ दिनों में दूसरा बन जाएगा। एक आतंकवादी मारा गया तो दूसरा आतंकवादी पहले से तैयार खड़ा है। लिहाजा वह भारतीय कार्रवाई से ज्यादा विचलित नहीं होता। अगर पाकिस्तान को हकीकत में सबक सिखाना है तो उसके सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर चोट करनी होगी। उसके रेंजर्स, सैनिकों को निशाना बनाना होगा। जब भारत के एक सैनिक की वीरगति के बाद पाकिस्तान के 50 सैनिक ढेर होंगे तो उसे समझ में आएगा कि आतंकवाद का खेल बहुत महंगा होता है। अभी, जब पाकिस्तान के आतंकवादी घुसपैठ के दौरान भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराए जाते हैं तो रावलपिंडी को कोई फर्क नहीं पड़ता। चूंकि आतंकवादियों के परिवारों को न तो कोई पेंशन दी जाती है और न ऐसी कोई विशेष सुविधा, जिससे सरकारी खजाने पर बोझ पड़े। पाकिस्तान तो आतंकवादियों के शव लेने से भी साफ इन्कार कर देता है। बाद में वे यहीं किसी गुमनाम कब्र में दफना दिए जाते हैं। पाकिस्तान को दर्द तब होता है, जब उसके सैनिक मारे जाते हैं और उनके शव (पाकिस्तानी) पंजाब पहुंचते हैं। अगर कोई सैनिक सिंध, बलोचिस्तान या खैबर पख्तूनख्वा से हो, तो उसकी भी ज्यादा परवाह नहीं की जाती। जिस तरह पुरानी कहानियों में जादूगर की जान तोते में बताई जाती थी, उसी तरह पाक फौज की जान उसके पंजाब में है। वहीं से ज्यादातर भर्तियां होती हैं। इसलिए हमें अपना निशाना बदलना होगा। बेशक जवाबी कार्रवाई में आतंकवादियों का खात्मा किया जाए, लेकिन पहली प्राथमिकता पाकिस्तान के सुरक्षा बल होने चाहिएं। बल्कि भारत को पहले ही इतना दबाव बना देना चाहिए कि जवाबी कार्रवाई करने की नौबत ही न आए।

ट्वीटर टॉक

तारानगर विधानसभा के गांव ढाणी कुलड़िया, झाड़सर गंजिया, ढाणी मेघसर और भाड़ग के ग्रामवासियों ने जनसम्पर्क के दौरान जो प्यार व स्नेह लुटाया, उसे देखकर मन खुशी से झूम उठा।मैं विश्वास दिलाता हूं कि तारानगर के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दूंगा।

-राजेन्द्र राठौड़

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता यहाँ एक महिला पत्रकार के सामने दबंगई दिखा रहे हैं। बलपूर्वक कैमरा बंद कराया जा रहा है। असल में उनके अहम को चोट पहुँच गई, उन्हें इस बात पर ज़्यादा गुस्सा आया कि कोई महिला कैसे उनसे सवाल पूछ सकती है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की महाराणा प्रताप के शौर्य की भूमि मेवाड़ के उदयपुर में 9 नवंबर को होने जा रही चुनावी महा जनसभा को लेकर आज सभा स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया और उपस्थित पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ली।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

लहरों से डरना नहीं

एक समय की बात है, एक महात्मा नदी किनारे खड़े होकर प्रकृति को निहार रहे थे। कल-कल नदियों का बहना, ठण्डी-ठण्डी हवाएं और पेंड के पत्तों का झूमना, बहुत ही आनंदमय वातावरण था। दूर कहीं पर्वत पर काले बादल छाए हुए थे, और मन को तृप्त कर देने वाला शांतमय वातावरण था। तभी उन महात्मा के पास एक शिष्य आया, उस शिष्य के मन में कुछ सवाल था। वह जिज्ञाषा से भरा हुआ था, अपने जिज्ञासा को दूर करने के लिए शिष्य ने महात्मा से पूछा गुरूजी, आप जिस प्रकार इस भूमि में चल सकतें है, उसी प्रकार इस पानी पर भी चल सकते हैं। परन्तु जब हम पानी पर चलने जाते है, तब डूबने लगते है, ऐसा क्यों गुरूजी। गुरूजी शिष्य से बोले की जिसके हृदय में श्रद्धा, निष्ठा है, और अपने गुरु या पूज्य के प्रति विश्वास है, वह एक नाव के सामान इस पानी पर चल सकता है, वह डूबेगा नहीं। गुरूजी की इन बातों को सुनकर शिष्य बोला गुरूजी, मेने जबसे आपको देखा है, तबसे मेरे दिल में आपके लिए श्रद्धा है। मुझे भी पूरा विश्वास है, और आप ही की तरह मै भी आस्थापूर्ण हूँ।

सामयिक

विपक्षी गठबंधन में फूट के मायने

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा आईएनडीआईए गठबंधन की वर्तमान स्थिति पर व्यक्त की गई निराशा पर आश्चर्य का कोई कारण नहीं है। आईएनडीआईए की मुंबई बैठक के बाद गतिविधियां पूरी तरह ठप्प है। यहां तक की गठबंधन को लेकर साथियों का कोई बयान भी नहीं आ रहा है। तस्वीर ऐसी है मानो मुंबई बैठक के बाद आईएनडीआईए को विश्राम की अवस्था में रख दिया गया है। नीतीश कुमार बिहार की राजधानी पटना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की रैली में बोल रहे थे। सभी वामपंथी पार्टियां आईएनडीआईए के घटक हैं। उस रैली में इस विषय पर बात होनी ही चाहिए थी। चूंकी नीतीश कुमार ने ही भाजपा के विरुद्ध विपक्षी गठबंधन की पहल की थी, इसलिए वहां उनके द्वारा इस विषय पर बोल जाना स्वाभाविक था। यह प्रश्न चारों ओर से उठ रहा है कि आखिर आईएनडीआईए का हुआ क्या? बिहार में विपक्ष से लेकर सोशल मीडिया पर नीतीश कुमार आईएनडीआईए को लेकर हास्य व्यंग्य के भी शिकार हो रहे हैं। उन्होंने यह कहते हुए अपनी पीड़ा व्यक्ति की कि कांग्रेस को अभी इससे कोई लेना-देना नहीं है। उनके अनुसार पांच राज्यों के चुनाव हो जाएं तो हम लोग फिर से कांग्रेस के पास इसके लिए जाएंगे।

राजनीति में खासकर ऐसे मामलों में नेता जितना कुछ कहते हैं उससे ज्यादा जो वह नहीं बोलते हैं उनमें दिखता है। यह तो संभव नहीं कि नीतीश कुमार ने कांग्रेस के नेताओं से इस बीच बातचीत करने की कोशिश नहीं की होगी। आखिर बिहार में भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद उनके लिए भविष्य की राजनीति का कोई एक सबसे बड़ा आधार हो सकता है तो वह विपक्षी गठबंधन। पटना में पहली बैठक आयोजित कर उन्होंने विपक्षी मोर्चाबंदी की नींव डालने का श्रेय भी प्राप्त किया। ऐसा लगता है कि कांग्रेस से उनको सकारात्मक या उत्साहजनक प्रत्युत्तर नहीं मिला है। वास्तव में मुंबई बैठक के बाद आईएनडीआईए की पहली रैली भोपाल में होने का बयान दिया गया था। अनेक नेताओं को उम्मीद थी कि एक चुनावी राज्य की राजधानी से विपक्षी एकजुटता का संदेश ज्यादा विश्वसनीय निकलेगा। किंतु यह तभी होता जब कम से कम तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में में भी आईएनडीआईए के घटक दलों के बीच कुछ सीटों का समझौता होता या फिर सभी आकर कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करते। इसकी पहल कांग्रेस की ओर से ही होनी चाहिए थी। साफ है कि कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया है।

मध्यप्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच तनाव और एक दूसरे के विरुद्ध अशोभनीय वक्तव्यों के बाद आईएनडीआईए के घटक दलों के आपसी संबंधों को लेकर अलग से कुछ कहने की आवश्यकता नहीं रह जाती। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मानें तो कांग्रेस ने उन्हें छह सीट का वचन दिया था और वरिष्ठ नेताज दिग्विजय सिंह से उनकी बात हुई थी। प्रदेश के उनके नेता कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक में भी गए, पर उन्हें महत्व नहीं दिया गया। इसके बाद सपा ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। कई बार गठबंधन के दल भी एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं किंतु 2024 अगर आईएनडीआईए के लिए करो या मरो का प्रश्न है तो विधानसभा चुनाव में कम से कम वचन और व्यवहार में उसकी झलक मिलनी चाहिए थी। कांग्रेस अगर सपा को 6 सीट दे देती तो उसे चुनाव परिणाम पर बहुत ज्यादा अंतर नहीं आता, बल्कि आईएनडीआईए के ज्यादा सशक्त होने का संदेश जाता। नहीं भी दिया तो कम से कम वरिष्ठ नेताओं को अखिलेश यादव से बात करनी चाहिए थी। इसकी जगह कमलनाथ ने कह दिया अरे छोड़ो अखिलेश वखलेश को। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने अखिलेश यादव के विरुद्ध बोला तो अखिलेश यादव ने कह दिया कि कांग्रेस चिरकुट नेताओं से बयान न दिलवाये। आम आदमी पार्टी तो मैदान में उतरकर भाजपा के साथ कांग्रेस को भी निशाना बना रही है।

इससे आईएनडीआईए को लेकर आम जनता के बीच क्या संदेश जा रहा होगा इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। ध्यान रखिए, मध्यप्रदेश में नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड भी चुनाव मैदान में उतर गई है। तो नीतीश कुमार भले अखिलेश यादव की तरह कांग्रेस के विरुद्ध गुस्सा व्यक्त न करें किंतु अंदर से उनकी स्थिति भी वैसी ही होगी। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस से अनजाने में कुछ हुआ है। कांग्रेस अपनी योजना और रणनीति के तहत ही सब कुछ कर रही है। कांग्रेस का मानना है कि इन तीन राज्यों में अगर पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया तो ही आईएनडीआईए में उसकी हैसियत अपनी शर्तों पर गठबंधन करने की होगी और तभी नेतृत्व की भी दावेदारी कर सकती है। इसलिए इस समय उसकी प्राथमिकता में आईएनडीआईए है ही नहीं। वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व के रणनीतिकारों का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा एवं संघ के विरुद्ध सीधा आक्रामक रवैया अपनाने के कारण राहुल गांधी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में विजय के बाद भारतीय राजनीति एवं अपनी पार्टी के बारे में कांग्रेस का आकलन वही नहीं है जो दूसरे दलों या अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का है। सोनिया गांधी परिवार के तीनों सदस्य मान रहे हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार तथा भाजपा के विरुद्ध जनता में व्यापक असंतोष है और कांग्रेस को उनका समर्थन मिल सकता है। इस सोच में गैर भाजपा दलों के साथ भी कांग्रेस का व्यवहार बदल रहा है। तत्काल कांग्रेस का निष्कर्ष यही लगता है कि विपक्षी मोर्चाबंदी में कांग्रेस की हैसियत 2014 या 2019 के लोकसभा चुनाव प्रदर्शन के आधार पर निश्चित नहीं होगी। इसकी जगह कांग्रेस के आकलन के अनुसार देशव्यापी लोकप्रियता में उभार के आधार पर कांग्रेस की भूमिका तय होगी। विपक्ष की पटना बैठक के साथ कांग्रेस के बड़े दल की भूमिका दिखने लगी थी। बेंगलुरु में वह हाबी होने के स्तर पर थी तथा मुंबई में ऐसा वातावरण बना मानो कांग्रेस ही इसकी मुख्य कर्ताधर्ता और नेतृत्वकर्ता हो। चूंकि ज्यादातर दलों के समक्ष राष्ट्रीय राजनीति या संसदीय व्यवस्था में अपना अस्तित्व बचाने और बनाने का प्रश्न है इसलिए किसी ने सार्वजनिक बयान नहीं दिया। ज्यादातर दलों को लगता था कि दो बार लोकसभा चुनाव में बुरी तरह हारने के बाद कांग्रेस के अंदर स्वयं को समायोजित करने का भाव ज्यादा गहरा होगा। व्यवहार से ऐसा दिख नहीं। अखिलेश यादव का गुस्सा या नीतीश कुमार की पीड़ा इसी की अभिव्यक्ति है।

यह तर्क दिया जा सकता है कि आईएनडीआईए लोक सभा के लिए बना है विधानसभा के लिए नहीं। यही बात आईएनडीआईए की बैठक में तय हो जाना चाहिए था। अगर आईएनडीआईए की ओर से वक्तव्य आ जाता कि हमारा गठबंधन लोकसभा के लिए होगा तब भी आलोचना होती और इनकी एकता के दावे पर प्रश्न उठते। अब ऐसा लगता है मानो आने वाले समय में विपक्षी मोर्चाबंदी की फिर नए सिरे से कोशिश करनी होगी। कम से कम नीतीश कुमार का वक्तव्य तो यही बताता है कि तत्काल आईएनडीआईए अगर अस्तित्वहीन नहीं है तो ठंडे बस्ते में अवश्य चला गया है। वाम मोर्चा ने साफ कर दिया है कि तृणमूल कांग्रेस के साथ उसका गठबंधन संभव नहीं है। यानी कांग्रेस और वाम मोर्चा का गठबंधन होगा। यह निश्चित रूप से तृणमूल के विरुद्ध होगा। फिर तृणमूल के आईएनडीआईए के घटक होने के क्या मायने होंगे? दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दिए गए सम्मन पर आईएनडीआईए की कोई सामूहिक प्रतिक्रिया नहीं थी। अलग-अलग दलों के नेताओं ने बयान दिया भी तो मीडिया के पूछने पर।

आईएनडीआईए के समर्थक अलग-अलग चैनलों से मीडिया में यह खबर फिड कर रहे थे कि अभी से लोकसभा सीटों पर बातचीत हो रही है, दलों के बीच कुछ राज्यों में कितनी- कितनी सीटों पर सहमति बनी है आदि-आदि। साफ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा विरोधी पत्रकार, एक्टिविस्ट आदि जानबूझकर माहौल बनाने के लिए ऐसा कर रहे थे। क्या आगे आईएनडीआईए के घटक दलों द्वारा बगैर सार्वजनिक घोषणा के कोई इस तरह की सूचना मीडिया को देगा तो उस पर विश्वास किया जा सकता है?

माहौल ऐसा बनाया जा रहा था मानो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को पराजित करने के लिए पार्टियां अपने स्वार्थ की एक सीमा तक बली भी चढ़ा सकतीं हैं। विधानसभा चुनाव ने इसके विपरीत स्थिति की तस्वीर पेश की है। अब कांग्रेस के साथ कुछ पार्टियों के गठबंधन या सीटों का बंटवारा आसान नहीं होगा। एक बार संबंधों में तनाव आ जाए तो उसे सामान्य बनाना आसान नहीं होता। वर्तमान राजनीतिक माहौल में साफ था कि सारे भाजपा विरोधी दल उसे हराकर सत्ता में आना चाहते हैं किंतु उनकी दृष्टि में व्यापकता और दूरगामी सोच का अभाव है। अगर विपक्ष की राजनीति में भाजपा के विरुद्ध समानांतर गहरी वैचारिकता और उसके प्रति प्रतिबद्धता होती तो सभी दलों का व्यवहार अलग होता। विचारधारा की लड़ाई में छोटे राजनीतिक स्वार्थ कभी आड़े नहीं आ सकते। इसलिए आईएनडीआईए की वर्तमान स्थिति से यह बात फिर प्रमाणित हुई है कि विचारधारा से ज्यादा निजी और दलीय हित ही आईएनडीआईए के पीछे मुख्य कारक थे और आगे भी होंगे जिसमें लंबे समय तक सत्ता से वंचित रहने तथा कानूनी एजेंसियों का भाई प्रमुख था।

चिंतन

क्या तेलंगाना में होगा त्रिकोणीय संघर्ष?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार लगातार जारी है। 30 नवंबर को राज्य में वोट डाले जाएंगे। उससे पहले राजनीतिक दल प्रचार में अपना दम दिखा रहे हैं।कर्नाटक चुनाव के बाद दक्षिण का इकलौता राज्य है तेलंगाना जहां 2023 में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। तेलंगाना भाजपा के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा सीटें जीत कर देश को चौंकाया था। यहां तक कि घउठ की बेटी को भी भाजपा ने लोकसभा चुनाव में हराया था। 2014 में 10 प्रतिशत के मुकाबले भाजपा ने 2019 में 19.45 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। ऐसे में बड़ा सवाल है कि तेलंगाना में सत्ताधारी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) (जो पहले टीआरएस थी) का मुकाबला भाजपा और कांग्रेस त्रिकोणात्मक मुकाबला होने जा रहा है?

तेलंगाना में बीआरएस पार्टी पिछले 10 वर्षों से सत्ता में है। तेलंगाना को परिवारवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण की राजनीति से बचाने के लिए भाजपा को जनता निश्चित रूप से आशीर्वाद देगी ऐसा भाजपा के नेताओं का मानना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा रहा है और जनकल्याणकारी योजनाएं बिना किसी भ्रष्टाचार के आम जनता तक पहुंच रही है। भाजपा को आशीर्वाद मिलता है तो एक डबल इंजन की सरकार तेलंगाना के विकास को गति देगी और बंगारू तेलंगाना' (स्वर्णिम तेलंगाना) का जो सपना अधूरा रह गया था, उसे भाजपा पूर्ण करने का प्रयास करेगी।

इन सब के साथ भाजपा और पवन कल्याण की पार्टी जनसेना अब राज्य में एक साथ चुनाव लड़ने की तैयारी में है। दोनों दलों ने एक साथ चुनाव लड़ने की बात कही है और जल्द ही सीट बंटवारे पर भी सहमति बन जाएगी। पवन कल्याण ने साफ तौर पर कहा है कि दोनों पर्टियों का लक्ष्य नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने का है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम लोकसभा चुनाव में भी भाजपा के साथ चुनाव लड़ेंगे।

वैसे कहा जाता है कि तेलंगाना में भाजपा भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस के बाद तीसरे नंबर की पार्टी है। पार्टी को लगता है कि स्थानीय और प्रसिद्ध चेहरे को लेकर वह राज्य में खुद के लिए स्थिति मजबूत कर सकती है। इसमें पवन कल्याण एक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। पवन कल्याण दक्षिण भारत के सुपरस्टार हैं और युवाओं में बेहद लोकप्रिय भी है। भाजपा के साथ पवन कल्याण के आने के बाद पार्टी को युवाओं से भी मदद मिल सकती हैं। पवन कल्याण मुन्नुरु कापू समुदाय से आते हैं। वह ओबीसी हैं। राज्य में इस जाति की आबादी 26 प्रतिशत के आसपास है। इससे भाजपा को मजबूती मिल सकती है।

टीडीपी राज्य में चुनाव नहीं लड़ रही है। ऐसे में पवन कल्याण के साथ आने से टीडीपी का वोट बीजेपी को ट्रांसफर हो सकता है। महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भले ही भाजपा का टीडीपी के साथ कोई समझौता नहीं है, लेकिन वह चाहती है कि जन सेना चंद्रबाबू नायडू के साथ अपने संबंधों का लाभ उठाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तेलंगाना में टीडीपी का वोट एनडीए को हस्तांतरित हो, न कि कांग्रेस को। यह एक राजनीतिक मास्टरस्ट्रोक है क्योंकि यह नायडू और पवन के बीच संबंधों का परीक्षण करेगा, और संभवतः इसे तनाव में भी डाल देगा। यदि 'टीडीपी' समर्थक जन सेना को वोट नहीं देते हैं, तो भाजपा इसे विश्वासघात का मामला बता सकती है और पूछ सकती है कि नायडू आंध्र प्रदेश में पवन के समर्थन की उम्मीद कैसे कर सकते हैं, जब वह तेलंगाना में समर्थन नहीं करते हैं।

दूसरी ओर तेलंगाना में कांग्रेस के लिए भी एक सहज स्थिति बन चुकी है। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष शर्मिला ने इस बात का ऐलान किया है कि उनकी पार्टी तेलंगाना में चुनाव नहीं लड़ेगी और वह कांग्रेस का समर्थन करेगी। आपको बता दें की अभिभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी शर्मिला आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी की बहन भी हैं। शर्मिला लगातार तेलंगाना में बीआरएस सरकार पर निशाना साध रही है। वह बीआरएस सरकार को भ्रष्ट बता रही हैं। शर्मिला ने कांग्रेस को समर्थन दिया है जिसका फायदा ग्रैंड ओल्ड पार्टी को हो सकता है। हालाँकि, यह निर्णय आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ दल के लिए अच्छा नहीं रहा, खासकर इसलिए क्योंकि इसने मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को नकारात्मक छवि में चित्रित किया है। जगन ने चिंता व्यक्त की है कि कांग्रेस ने उनके मुख्यमंत्री बनने की संभावनाओं को कमजोर करने का प्रयास किया है।

वैसे कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री केसीआर ने पार्टी नेताओं की बैठक में कांग्रेस को अपना प्रतिद्वंद्वी माना है। मगर, राजनीति में जो बात कही जाती है उसके मायने उसी रूप में सीधे नहीं होते। केसीआर ने जिस तरीके से देशव्यापी स्तर पर गैर-भाजपा सियासत को मजबूत करने की पूरी शिद्दत से कोशिश पिछले दिनों दिखाई है उससे यही पता चलता है कि वे भाजपा को अपना प्रतिद्वंद्वी मानते हैं। स्पष्ट है केसीआर कांग्रेस को प्रतिद्वंद्वी बोलते हैं और भाजपा को मानते हैं।

ज्ञात हो कि तेलंगाना में 119 विधानसभा सीटें हैं। इनमें 19 एससी और 12 एसटी वर्ग के लिए सुरक्षित हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में तेलंगाना में 73.37 प्रतिशत वोट पड़े थे। 2 करोड़ 5 लाख 99 हजार 739 लोगों ने वोट डाले थे। कुल वैध मतों की संख्या 2 करोड़ 4 लाख 70 हजार 767 थी। टीआरएस को 2018 के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा 46.87 प्रतिशत वोट मिले थे और उसे 88 सीटें हासिल हुई थीं। टीआरएस प्रमुख केसीआर ने कर्नाटक चुनाव के बाद दावा किया है कि उनकी पार्टी को 95 से 110 सीटें आ रही हैं। दरअसल ये दावा उस माहौल को शांत करने के लिए किया गया है जो कर्नाटक में भाजपा की हार के बाद कांग्रेस, उसे तेलंगाना की सियासत से जोड़कर बना रही थी।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में दूसरे नंबर पर रही थी कांग्रेस। उसे 28.43 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे और उसे 19 सीटें मिली थीं। भाजपा ने बीते विधानसभा चुनाव में 6.98 प्रतिशत वोट हासिल किए थे और उसे एक सीट पर जीत भी मिली थी। मगर, भाजपा ने लोकसभा चुनाव में कहानी ही पलट दी। करीब 20प्रतिशत वोट लाकर भाजपा ने जता दिया कि वो तेजी से उभरती हुई ऐसी ताकत है जो सरकार बनाने का दमखम जुटा रही है। इस चुनाव में यह भी देखने वाली बात होगी कि क्या भाजपा का वो दमखम 2023 में बरकरार रहने वाला है? यां कांग्रेस दोबारा अपनी स्थिती मजबूत करने में सफल होती है ।तेलंगाना में 2018 के विधानसभा चुनाव में कई अन्य पार्टियां भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही थीं।

कर्नाटक के प्रभाव से निकलकर अगर भाजपा ने तेलंगाना में अपनी पैठ को और मजबूत करने का प्रयास दिखया तो तेलंगाना में त्रिकोणात्मक संघर्ष दिखेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। कांग्रेस को खुद केसीआर अपना प्रतिद्वंद्वी मान रहे हैं और आंकड़े भी इसकी पुष्टि कर रहे हैं। कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस के हौसले बुलंद हैं और कांग्रेस के नेता भी प्रदेश में अपनी सरकार का सपना देख रहे हैं। टीआरएस के लिए ये स्थिति अनुकूल भी साबित हो सकती है अगर वे अपना वोट बैंक बहुत अधिक बिखरने ना दें। ऐसी स्थिति में बीआरएस विरोधी वोटों के बंटने का सीधा फायदा कांग्रेस या भाजपा को मिलेगा। एक रोचक मुकाबले की उम्मीद तेलंगाना में की जा सकती है।

भाजपा के अनुसार भाजपा तेलंगाना में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ और तेलंगाना के सर्वांगीण विकास के लिए लड़ाई लड़ रही है। यह लड़ाई जारी हैं। राज्य के संसाधनों पर केवल कुछ सत्ताधारी परिवारों का कब्जा रहा है और तेलंगाना के लिए लड़ाई लड़ने वाले नायकों को इन परिवारों ने लगातार नजरअंदाज किया है। किसान अपने बढ़ते कर्ज और प्रदेश सरकार की कुनीतियों से परेशान होकर आत्महत्या कर रहा है, युवा आंदोलन कर रहे हैं, परीक्षाओं के पेपर लगातार लीक हो रहे हैं। कानून-व्यवस्था की बदतर स्थिति है। लोगों को अब भाजपा से ही उम्मीद है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अभियान

नई दिल्ली में निकेलोडियन के 'हैप्पीकिडिंग अभियान' के हिस्से के रूप में बाल दिवस मनाने के लिए गुरुवार को नई दिल्ली में निकटून्स मोटू और पतलू रामकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों के साथ पोज देते हुए।

भारत इतना बदल गया कि दोबारा आपातकाल जैसा दौर नहीं देखेगा : जगदीप धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अब इतना बदल गया है कि वह दोबारा आपातकाल जैसा दौर नहीं देखेगा। वह राजभवन में गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई की 200वीं पुस्तक वामन वृक्ष कला का विमोचन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह किताब 'बोन्साई' पेड़ उगाने की कला के बारे में है। उपराष्ट्रपति ने जिक्र किया कि पिल्लई की 100वीं पुस्तक का विमोचन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। उन्होंने कहा, वह किताब आपातकाल के काले दिनों के संबंध में थी। यह संयोग ही था कि प्रधानमंत्री उस पुस्तक का विमोचन कर रहे थे।' उन्होंने कहा, मुझे कोई संदेह नहीं है कि भारत इस स्तर तक बढ़ चुका है कि भारत में फिर कभी ऐसे काले दिन नहीं आएंगे। पृथ्वी पर की कोई भी ताकत हमारी आबादी को उनके मौलिक अधिकारों, मानवाधिकारों से वंचित नहीं कर सकती। धनखड़ ने कहा, निश्चित रूप से आपातकाल (तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाया गया) हमारे इतिहास का सबसे काला काल था, हमें वहां से आगे बढ़ना होगा और सबक सीखना होगा।

धनखड़ ने पिल्लई की पुस्तक की पहली प्रति ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित दामोदर मावजो को दी। वह इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के साथ उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि हममें से प्रत्येक यह संकल्प करे कि यह ग्रह सिर्फ मनुष्यों के लिए नहीं है। उन्होंने कहा, यह ग्रह जीवित प्राणियों के लिए है। हर किसी को ग्रह पर रहने का अधिकार है। हम इस ग्रह के न्यासी हैं।

पिल्लई की नयी किताब का जिक्र करते हुए, धनखड़ ने कहा कि यह याद दिलाती है कि भारतीय सभ्यता के लोकाचार, मूल्य और ज्ञान 5,000 साल से अधिक पुराने हैं। उन्होंने कहा, हम ज्ञान की तलाश के लिए कहीं और देखने की जरूरत नहीं है। यह हमारे वेदों और उपनिषदों में है। राज्यपाल ने अपनी पुस्तक में फिर से इसकी पुष्टि की है.... लेकिन आम धारणा है कि बोन्साई पेड़ जापान या चीन से आते हैं। इस समारोह के दौरान 94 साल के एक किसान उस समय अभिभूत हो गए जब उपराष्ट्रपति ने उनके पैर छुए।

जब धनखड़ राजभवन के नए दरबार हॉल पहुंचे और मंच तक पहुंचने के लिए भीड़ के बीच से गुजर रहे थे, उनकी नजर विश्वनाथ गधाधर केलकर पर पड़ी धोती पहने केलकर ने मुस्कुराते हुए धनखड़ का अभिवादन किया। धनखड़ ने उनके साथ दो मिनट तक बातचीत करने के बाद उनके पैर छुए और उनसे आशीर्वाद लिया।

पाकिस्तान ने अफगान तालिबान का समर्थन नहीं करने का फैसला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने एक बड़े नीतिगत बदलाव के तहत, प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी समूह को निष्क्रिय करने में काबुल की विफलता के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफगान तालिबान के मामले का समर्थन नहीं करने या कोई अन्य सहायता नहीं देने का फैसला किया है। बृहस्पतिवार को एक मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गयी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, पाकिस्तान अब अंतरिम अफगान तालिबान सरकार को कोई 'विशेष रियायत' नहीं देगा, जो दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में गिरावट का संकेत देता है। टीटीपी की स्थापना 2007 में कई चरमपंथी संगठनों के एक छत्र समूह के रूप में की गई थी। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ वैचारिक संबंध है और इसे पाकिस्तान तालिबान के नाम से भी जाना जाता है । इसका मुख्य उद्देश्य पूरे पाकिस्तान में इस्लाम के सख्त नियम को लागू करना है। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि सत्ता में आने के बाद अफगान तालिबान टीटीपी सदस्यों को देश से बाहर निकाल कर पाकिस्तान के खिलाफ अपनी धरती का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद ऐसा करने से इनकार कर दिया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने कहा कि पाकिस्तान की नीति में स्पष्ट बदलाव का तात्कालिक निहितार्थ यह है कि अफगान तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलने की संभावना पहले से और कम हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को अखबार को बताया कि अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद अफगान तालिबान सरकार को दी गई पाकिस्तानी सहायता और सद्भावना को हल्के में लिया गया। तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद, पाकिस्तान उसके मुख्य समर्थक के रूप में सामने आया, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और हितधारकों विशेष रूप से पश्चिमी देशों से काबुल में नए शासकों के साथ जुड़े रहने का आग्रह किया। अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार के प्रवक्ता के रूप में कार्य करने की पाकिस्तान की नीति की अक्सर देश के भीतर और बाहर कड़ी आलोचना होती है। हालांकि, उस समय अधिकारियों ने इस दृष्टिकोण का बचाव करते हुए जोर दिया कि अफगान तालिबान एक वास्तविकता है और उनके साथ काम करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

अमेरिका-भारत रक्षा संबंध शानदार रास्ते पर

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत । अमेरिका-भारत रक्षा संबंध शानदार रास्ते पर हैं और दोनों देशों के बीच 'टू प्लस टू' विदेश एवं रक्षा मंत्री स्तरीय वार्ता इस बात का बड़ा प्रमाण है कि इन्हें आगे बढ़ाने को कितना महत्व दिया गया है। अमेरिका के एक पूर्व वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने यह बात कही। भारत और अमेरिका शुक्रवार को नयी दिल्ली में 'टू प्लस टू' विदेश एवं रक्षा मंत्री स्तरीय वार्ता के अगले संस्करण में दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ते रणनीतिक संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के 'इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस' (आईडीईएक्स) और अमेरिकी रक्षा विभाग ने भारत-अमेरिका के बीच 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता से पहले बुधवार को नयी दिल्ली में पहले आईएनडीयूएस-एक्स निवेश सम्मेलन का आयोजन किया। दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए अमेरिका के पूर्व उप सहायक रक्षा मंत्री जोसेफ एच फेल्टर ने सम्मेलन से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, अमेरिका-भारत संबंधों से ज्यादा महत्वपूर्ण रिश्ता कहीं और नहीं है। रक्षा संबंध पिछले कुछ समय से वास्तव में व्यापक अमेरिका-भारत संबंधों के वास्तविक चालक रहे हैं। फेल्टर ने कहा, 2016 में जब भारत को एक प्रमुख रक्षा भागीदार नामित किया गया था, उसके बाद से हम, 2008 में शून्य रक्षा व्यापार से बढ़कर आज 20 अरब अमेरिकी डालर से अधिक के कारोबार पर पहुंच गए हैं...।

महिला ने ग्रैमी अवॉर्ड के पूर्व सीईओ के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। अमेरिका में एक महिला ने ग्रैमी अवार्ड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नील पोर्टनाउ के खिलाफ 2018 में उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को मुकदमा दर्ज कराया। महिला ने रिकॉर्डिंग अकादमी पर मामले की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उसे भी अदालत में घसीटा है। इस महिला का नाम जाहिर नहीं किया गया है। उसने वयस्क उत्तरजीवी अधिनियम के तहत मैनहट्टन में प्रांतीय शीर्ष अदालत में मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में महिला को अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त एक संगीतकार बताया गया है। महिला ने आरोप लगाया है कि वह 2018 की शुरुआत में पोर्टनाउ से मिली थी और साल के अंत में उनका साक्षात्कार लेने के लिए न्यूयॉर्क के एक होटल में मिलने पर सहमति जताई थी। महिला के मुताबिक, मुलाकात के दौरान पोर्टनाउ ने उसे नशीला पदार्थ मिला पेय पिलाया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया।

हालांकि, 2019 में ग्रैमी के सीईओ पद से इस्तीफा देने वाले पोर्टनाउ के प्रवक्ता ने एक ईमेल में कहा कि आरोप पूरी तरह से झूठे हैं और नि:संदेह धन और आवास के लिए वीजा हासिल करने में वादी की मदद करने की अपमानजनक मांगों को पूरा करने से पोर्टनाउ के इनकार से प्रेरित हैं।

टाइगर-3 के दूसरे ट्रैक रुआन का लिरिकल वर्जन जारी किया

मुंबई/एजेन्सी

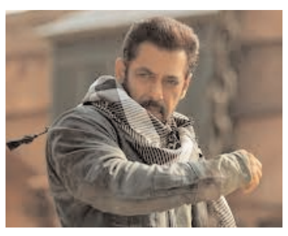

यशराज फिल्म्स ने हमेशा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के आसपास गोपनीयता बनाने में विश्वास किया है क्योंकि इससे दर्शकों के बीच अधिक प्रत्याशा पैदा हुई है। टाइगर 3 के लिए, आदित्य चोपड़ा ने फैसला किया है कि वह फिल्म के एक प्रमुख कथानक बिंदु को दिवाली, रविवार, 12 नवंबर को रिलीज होने से पहले दूसरे गाने रुआन का लिरिकल वर्जन ही आउट किया जाए। निर्देशक मनीष शर्मा ने खुलासा किया, टाइगर और जोया इस फिल्म में बहुत अधिक व्यक्तिगत और गहन यात्रा पर हैं, और रुआन इसे आवाज देता है। जिस तरह से इसे फिल्म में चित्रित किया गया है, हम वास्तव में ऐसी मुख्य कहानी को उसी तरह रखना चाहते थे, जिस तरह से उन्हें अनुभव किया जाना चाहिए - सिनेमा में, उस क्षण में। रुआन को हमारी पीढ़ी के महानतम गायकों में से एक अरिजीत सिंह ने गाया है और इसे भारतीय सिनेमा के अब तक के सबसे बड़े मेगास्टारों में से एक सलमान खान पर फिल्माया गया है। अरिजीत सिंह का गाना निश्चित रूप से हिट होता है और धठ्ऋ का एक साहसपूर्ण निर्णय है क्योंकि आम तौर पर, कोई भी अधिकतम चर्चा पाने के लिए ऐसे एसेट को रिलीज से पहले ही पेश कर देता है। मनीष कहते हैं, यह जानते हुए कि हमारे पास अरिजीत सिंह द्वारा गाया गया यह भावपूर्ण गाना है, जिसे सलमान खान पर फिल्माया गया है, और इसे रोकने का निर्णय लेना - यह कठिन रहा है। वह आगे कहते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अंत में, जब आप कहानी के संदर्भ में रुआन सुनेंगे तो आपको पता चल जाएगा कि हमने सही काम किया है! हमें लगता है कि यह एक बहुत बड़ा, विशाल क्षण है और यह रिलीज के दिन टाइगर 3 के प्रति उत्साह बढ़ा देगा।'' सलमान और कैटरीना ने थ्रीक्वेल टाइगर 3 में क्रमशः सुपर स्पाई टाइगर और ज़ोया के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिकाएँ दोहराईं! वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सिनेमाई टाइमलाइन में यह पांचवीं फिल्म है। पिछली सभी चार - एक था टाइगर, टाइगर ज़िंदा है, वॉर और पठान ब्लॉकबस्टर रही हैं।

वेब सीरीज चांद चकोर आज होगी रिलीज

मुंबई/वार्ता

सच्ची घटना पर आधारित रोमांटिक वेब सीरीज चांद चकोर 10 नवंबर को रिलीज होगी। रोमांटिक वेब सीरीज चांद चकोर 10 नवंबर को एवीएन फिल्म्स ओटीटी पर रिलीज होगी। फिल्म की

कहानी बिहार की है और इसे हाजीपुर के महनार में शूट किया गया है।चांद चकोर के निर्माता रमेन्द्र कुमार सहनी हैं, जबकि सह निर्माता गीता कुमारी हैं और निर्देशक नीरज सिन्हा हैं। नीरज सिन्हा ने अपनी इस सीरीज को लेकर कहा कि यह रियल बेस्ड स्टोरी पर बनी सीरीज है, जिसकी कहानी हरि नाम के किरदार के आसपास है, जिसे अपने ही गांव की लड़की से प्यार हो जाता है। लेकिन यह रूढ़िवादी समाज को कहां मंजूर, सो प्यार के साथ कहानी में एक्शन की भी एंट्री होती है। इस सीरीज की कहानी बेहद इंटरेस्टिंग है, उम्मीद है सभी दर्शकों को पसंद आएगी।

वहीं, फिल्म को लेकर निर्माता रमेन्द्र कुमार सहनी ने कहा कि फिल्म की कहानी बिहार की है, तो हमने अपनी फिल्म में बिहार को जीवंत करने के लिए लोकेशन हाजीपुर चुना और इस सीरीज में बिहार के कलाकारों को मौका भी दिया। उन कलाकारों से मुंबई के कलाकारों के साथ मिलकर एक बेहतरीन आउट पुट मिला। उन्होंने बताया कि वेब सीरीज चांद चकोर 10 नवंबर को आएगी।उम्मीद है लोगों को पसंद आएगी। रोमांटिक वेब सीरीज चांद चकोर का निर्माण एवीएनफिल्म्स के बैनर से किया गया है। इस सीरीज में मनोज कुमार राव, स्मृति कश्यप, मनोहर तेली, सत्यम, रौशन आर्या, पिंकी सिंह, सरविंद्र कुमार, यादव विकास राज,चंदन कुमार मुख्य भूमिका में हैं।

'फिल्म सर्वगुण संपन्न' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की आने वाली फिल्म सर्वगुण संपन्न का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अजय श्रीवास्तव और प्रियंका रेवाड़ी निर्मित यश कुमार की आने वाली भोजपुरी फिल्म सर्वगुण संपन्न का ट्रेलर कैप्टन वॉच हिट के ऑफिशियल यूट्यूब से रिलीज हुआ है।फिल्म की कहानी गूंगे लड़के और अंधी लड़की के बीच की है।

फिल्म में यश कुमार के अपोजिट प्रियंका रेवाड़ी नजर आई है और उन्होंने अंधी लड़की का किरदार बखूबी निभाया है।सर्वगुण संपन्न को अजय श्रीवास्तव ने निर्देशित किया है।फिल्म को लेकर यश ने बताया कि इस फिल्म की कहानी हर किसी के दिल को छूएगी। इसके संवाद इतने बेहतरीन है कि दर्शन बार-बार इस फिल्म को देखना चाहेंगे और इसकी प्रस्तुति का जवाब नहीं। इसलिए हम भोजपुरी के दशकों से कहना चाहेंगे कि यह फिल्म जब भी रिलीज हो आप अपने परिवार के साथ इसे देखें। यश कुमार ने कहा कि फिल्म में एक ऐसा मर्म छुपा है जो प्यार को अभिव्यक्त करता है। फिल्म सबको बेहद पसंद आए इसके लिए हम सबों ने बेहद मेहनत की है और अब आप से उम्मीदें हैं कि आप हमारी फिल्म को किस तरह से पॉइंट देते हैं।

सर्वगुण संपन्न में यश कुमार, प्रियंका रेवड़ी, धनंजय सिंह, रश्मी पाठक, सी.पी भट्ट आदि प्रमुख भूमिका में हैं। कहानीकार अजय श्रीवास्तव हैं। पटकथा एवं संवाद सुरेंद्र मिश्रा और अजय श्रीवास्तव हैं । संगीत छोटे बाबा और गीतकार छोटू यादव हैं। कोरियोग्राफर राम देवन, उधारी बाबू, प्रवीण शेलार हैं।

'सिंघम 3' में अवनि बाजीराव के रूप में वापसी कर रही हैं करीना

मुंबई/एजेन्सी

सुपरस्टार अजय देवगन की आगामी फिल्म 'सिंघम 3' में बॉलीवुड स्टार करीना कपूर 'अवनि बाजीराव' के रूप में दमदार वापसी कर रही हैं। सुपरस्टार अक्षय कुमार ने भी पोस्टर जारी किया और लिखा, अवनि बाजीराव सिंघम की वापसी, अपने जोखिम पर गड़बड़ करें। निर्देशक रोहित शेट्टी ने उनके किरदार का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, सिंघम के पीछे की ताकत अवनि बाजीराव सिंघम से मिलें। उन्होंने आगे कहा, हमने पहली बार 2007 में 3 ब्लॉकबस्टर फिल्मों में साथ काम किया। गोलमाल रिटर्न्स 'गोलमाल 3' 'सिंघम रिटर्न्स' और अब हम अपने चौथे प्रोजेक्ट सिंघम अगेन पर काम कर रहे हैं। 16 साल लंबा जुड़ाव, कुछ भी नहीं बदला है बेबो अभी भी वही सरल, प्यारी और मेहनती है।'' 'सिंघम रिटर्न्स' में करीना ने बाजीराव सिंघम की प्रेमिका का किरदार निभाया था, और 'सिंघम 3' में वह अब उनकी पत्नी का किरदार निभाएंगी क्योंकि यह फिल्म पिछली फिल्म के 10 साल बाद की है। अपने आप में एक शक्तिशाली महिला के रूप में करीना एक पोस्टर में चमकदार रोशनी के साथ नजर आ रही हैं। उनके माथे के साथ-साथ उसके होठों पर भी कुछ घाव के निशान हैं, '3 इडियटस' की अभिनेत्री को एक अनुभवी पुलिस वाले की तरह दिखाया गया है। उनके पीछे छाया में तकनीकी गियर पहने पुलिस कमांडो जैसे दिख रहे हैं। रोहित शेट्टी के 'कॉप यूनिवर्स' का हिस्सा, उनकी आगामी 'सिंघम अगेन' (या सिंघम 3) में अक्षय कुमार, अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर और रणवीर सिंह प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तनीषा मुखर्जी ने 'झलक दिखला जा' में दी परफार्मेंस

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने झलक दिखला जा में अपने लाजवाब प्रदर्शन से लोगों का दिल जीत लिया। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के प्रतीक्षित डांस शो 'झलक दिखला जा' 11 नवंबर को रात 9:30 बजे से शुरू हो रहा है।इस सीज़न में शानदार जजिंग पैनल दिखाई देगा, जिसे 'एफएएम' नाम दिया गया है, जिसमें फराह खान, अरशद वारसी और मलायका अरोड़ा साथ मिलकर डांस के प्रति अपने जुनून को साझा करेंगे और सितारों का मार्गदर्शन करेंगे। तनीषा मुखर्जी ने अपने कोरियोग्राफर-पार्टनर, तरुण निहलानी के साथ 'लैला मैं लैला' में अपने शानदार परफॉर्मेंस से सभी को हैरान कर दिया।

जज फराह खान ने कहा, मैं तनीषा को फॉलो कर रही हूं, और मैंने उनका करियर ग्राफ़ देखा है। वह डांसर नहीं है। मेरा मानना है कि जब आपको सही कोरियोग्राफ़र मिल जाए, तो आप अच्छा डांस कर सकती हैं। तनीषा, आपको अभी तक सही इंसान नहीं मिला है जो आपकी खूबियों को पहचाने, आपकी कमज़ोरियों को छिपाए और आपको सर्वोत्तम ढंग से पेश करे। मुझे लगता है, तरूण, आप वही व्यक्ति थे, और यह ऊर्जावान परफॉर्मेंस था। तरूण, आपने तनीषा की खूबियों का बहुत अच्छा इस्तेमाल किया। मैं आपको बता दूं, तनीषा, अपनी पारिवारिक विरासत के साथ यहां आने और किसी न्यूकमर की तरह शुरुआत करने के लिए साहस की ज़रूरत होती है। आने वाले सप्ताहों के लिए शुभकामनाएं।

तनीषा मुखर्जी ने कहा,फराह मैम, मैंने आपको काजोल और रानी को कोरियोग्राफ़ करते देखा है, और जब मुझे पता चला कि आप 'झलक दिखला जा' में एक जज के तौर पर शामिल होने वाली हैं, तो मैं बहुत डरी हुई थी। मुझे पता था कि फराह सच बोलेंगी और बिना पक्षपात के मेरी आलोचना ज़रूर करेंगी। फराह, आप मुझे जानती हैं, मैं एक नॉन-डांसर हूं। काजोल ने बचपन में थोड़ा-बहुत कथक सीखा था, लेकिन मैंने कभी डांस नहीं सीखा। मैंने फिल्मों में जो भी किया है वह बस शॉट-दर-शॉट परफॉर्मेंस था, लगातार 2:30 मिनट का परफॉर्मेंस नहीं। जब टीम ने मुझे बताया कि यह परफॉर्मेंस एक टेक में होने वाला है और मुझे 2:30 मिनट का परफॉर्मेंस पूरा करना है, तो मैं डर गई थी कि गलती किए बिना इसे कैसे किया जाए। लेकिन जब मैंने दूसरों को देखा, तो हर कोई शानदार था। मैं बैठ कर सोच रही थी कि कोई कहीं कुछ गलती नहीं कर रहा है या अपने स्टेप्स नहीं भूल रहा है। सच कहूं तो, मैं कोई स्टार नहीं हूं। मैं सेलिब्रिटी के उस स्तर तक नहीं पहुंची हूं। जब आपने कहा कि मैं एक स्टार की तरह प्रदर्शन कर रही हूं तो मेरी आंखों में आंसू आ गए। मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि जब आपके पास ऐसा परिवार और दोस्त हों जो स्टार हों, तो यह बहुत बड़ी बात है। यह आसान नहीं है। इसके लिए धन्यवाद; मैं आज एक स्टार की तरह महसूस कर रही हूं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शुक्रवार | 10-11-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

यातना में ही धर्म है : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम में विराजित साध्वी श्री चैतन्यश्रीजी महाराज ने बताया कि वीर प्रभु की पवित्र पावन जिनवाणी उत्तराध्ययन सूत्र के रुप में मानव समाज को जागरूक करने के लिए 16 प्रहर तक चली। तामली तापस ने अपना सारा राज्य बेटे को सौंप कर संन्यासी बन गए और बेले बेले की तपस्या करने लगे, परंतु प्रत्याख्यान नहीं लेने के कारण सम्यक तप न होने के कारण अकाम तपस्या बन गई अकाम तपस्या मोक्ष प्राप्त नही हो सकती। अंतिम समय में तामली तापस एक महीने का संथारा किया। तब भवनपति के देव आते हैं और कहते हैं कि आप भवनपति देवों के इन्द्र बनने के लिए निदान करें पर उन्होंने नहीं

किया। संथारा पूर्ण होकर वह दूसरे देवलोक के इशानेंद्र नामक इंद्र बने। उनकी तपस्या 60000 वर्ष की थी। इतनी कठोर तपस्या अगर सकाम तपस्या होती तो सात जीव मोक्ष जा सकते थे इतनी कठिन साधना की। पर सम्यक तप न होने के कारण मोक्ष नहीं जा पाए थे। अगर हम एक नवकारसी भी करते हैं तो वह सम्यक भाव से करनी चाहिए।

प्रभु ने चरण विधि का बताया है जिसकी यहां पर चरण को चारित्र कहा है यानी चारित्र की विधि इस अध्ययन में बताई है। बहुत से जीव इस संसार सागर से पार होकर यानी चारित्र विधि का पालन कर जीव मोक्ष में जाते हैं, गए हैं, जा रहे हैं, और जाएंगे। यतना में ही परमात्मा ने धर्म बताया है। इस अध्ययन में यह पांच सूत्र पांच शब्द ऐसे हैं जो पहले हैं रुंभई यानी राग द्वेष की पाप की प्रवृत्ति आए तो मन को रोक दो। चयई यानि दूषित व्यवहार को छोड़ो। सयई यानि स्वीकार करना सहन करना।

आरसीएमएस ने फिनटेक कंपनी एसेमनी का अधिग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

RADIANT
CASH MANAGEMENT SERVICES

चेन्नई। रेडिएंट का लोगो

आरसीएमएस ने फिनटेक कंपनी एसेमनी का अधिग्रहण किया

चेन्नई। रेडिएंट कैश मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (आरसीएमएस) के निदेशक मंडल ने कोच्चि स्थित अग्रणी फिंटेक कंपनी एस वेयर फिंटेक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसे मनी) का अधिग्रहण करने के लिए मंजूरी दे दी है। वित्तीय व्यवसाय करने वाली फिनटेक कंपनी एसेमनी उन्नत डिजिटल बैंकिंग समाधान प्रदान करती है जिसे खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा दुकानों सहकारी बैंकों और सहकारी समितियो के लिए निर्मित किया गया है। एसेमनी की तकनीकी विशेषज्ञता डिजिटल क्षमताएं आरसीएमएस को एक अभिनव डिजिटल प्लेटफॉर्म की पेशकश करके लेनदेन में वृद्धि का लाभ उठाने के लिए अनुकूल बनाती है जो टियर 3 प्लस क्षेत्र में ग्राहकों को नगदी और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को जोड़ने में मदद करेगी। आरसीएमएस ने नगद सौदे में एसे मनी में 57 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है।

इस मौके पर आरसीएमएस के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कर्नल डेविड देवसहायम ने कहा कि एसेमनी आरसीएमएस के लिए रणनीतिक रूप से उपयुक्त है इसके अधिग्रहण से हमें अपने विकास योजनाओं को बढ़ावा मिलने की पूरी उम्मीद है जिससे हम डिजिटल भुगतान में अधिक लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने आगे बताया कि भारत में करीबन दस हजार ग्रामीण सहकारी समितियां हैं जिनमें से अभी तक बहुतों ने डिजिटल बैंकिंग नहीं अपनाया है। उन्होंने कहा कि देश ने हाल ही में चार सौ मिलियन से अधिक खाते खोले हैं लेकिन अभी तक अधिकांश ने डिजिटल बैंकिंग की ओर कदम नहीं बढ़ाया हैं। उन्होंने कहा कि एसे मनी के माध्यम से हम डिजिटल समाधान और टियर थ्री प्लस शहरों में आरसीएएमएस के भौतिक नेटवर्क के साथ हम आबादी के बड़े हिस्से को वित्तीय समावेशन और महत्वपूर्ण विकास क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे।

एसेमनी के संस्थापक जिम्सन जेम्स कुरुचियल ने कहा कि आरसीएमएस की पूरे देश में एक मजबूत उपस्थिति है और ग्रामीण भारत में इसका एक उत्कृष्ट नेटवर्क है जो हमारे उत्पादों और सेवाओं के लिए एक आदर्श बाजार है हम अपने उत्पादों और सेवाओं को ग्रामीण खुदरा ग्राहकों और बैंकों तक पहुंचाने के लिए रेडिएंट के साथ साझेदारी करके बहुत उत्साहित है उन्होंने कहा की हम इस साझेदारी के माध्यम से मजबूत विकास और लाभ के दौर की आशा करते हैं।

सच्ची ईशोपासना है मानव धर्म निभाना है : महासती धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मानव की प्रतिष्ठा में ही धर्म है। कोई भी धर्म श्रेष्ठ और महान हो सकता है, लेकिन मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता। गुरूवार जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने श्रीसंघ साहुकारपेट के सभी पदाधिकारियों को कुष्ठ आश्रम में कुष्ठ रोगियों की सेवा कार्य केलिए साधूवाद देते हुए कहा कि मानव सेवा ही सच्ची सेवा है। गरीब लोगों के बीच भी खुशियों को बांटना सबसे बड़ा पुण्य और नेक कार्य है और इससे बड़ा संसार में धर्म नहीं हो सकता है। परोपकार ही असल मायने में ईश्वर की सेवा करना है। बाकी संसार में कुछ भी नहीं है। सच्ची ईशोपासना यह है कि हम अपने मानव-बंधुओं की सेवा में अपना पूरा जीवन लगा दिया तो मानव जीवन सफल बन जाएगा और आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति हो जाएगी। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि मनुष्य इंसानियत और मानव धर्म के संस्कार के साथ इस दुनिया में जन्म लेता है। लेकिन अज्ञानता और कुसंगत के आभाव में मानव धर्म को भूल जाता है। मगर इंसानियत और मानवता से बढ़कर इस दुनिया में कोई धर्म नहीं है औरों को खुशियां देने और बांटने पर जो आनन्द और खुशी जो जीवन में मिलती है वह किसी और वस्तु को पाकर भी नहीं मिल सकती है। मानव होकर मानवीयता धर्म निभाने वाला व्यक्ति संसार में महान बनता है। श्रीसंघ साहुकारपेट के कार्याध्यक्ष महावीरचंद सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया महासती धर्मप्रभा जी, साध्वीश्री स्नेहप्रभा की प्रेरणा और यशस्वी चातुर्मास के उपलक्ष्य में सिंह पेरूमल कोइल के समीप कुष्ठ आश्रम पहुंचकर वहां रह रहे कुष्ठ रोग से ग्रस्त असहायों के साथ साहुकारपेट श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम. अजितराज कोठारी और अन्य पदाधिकारियों ने दीपावली सांझा करते हुए वस्त्र और मिठाई आदि जरूरत की वस्तुओं का वितरण किया।

सामाजिक मंच पर बंटे पीले चावल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी प्रवासी प्रकोष्ठ द्वारा पीले चावल बांटकर राजस्थान में मतदान दिवस पर आने का न्यौता दिया गया। इसी महिने की 25 तारीख को राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान है। इस दौरान राजस्थान से भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी द्वारा चेन्नई में सर्व समाज को पीले चावल भेजकर राजस्थान आने का न्यौता दिया गया। चेन्नई के बाबा रामदेव भवन साहुकारपेट स्थित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं जालौर विधायक एवं प्रत्याक्षी जोगेश्वर गर्ग रहे। विधायक गर्ग ने अपने भाषण के दौरान प्रवासियों की पीड़ा एवं अपने कार्यकाल के दौरान कार्य किये उनका ब्यौरा दिया। इस दौरान पूर्व कृषि मण्डी चेयरमैन दीपसिंह धनाणी ने जालौर कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस को सिर्फ जुमलाबाजी करनी आती हैं। काम करने की उनकी मंशा कभी रही ही नहीं हैं। इस दौरान भाजपा वरिष्ठ नेता वर्धसिंह पौथेड़ी, अशोक टाइगर सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम

कांग्रेस उम्मीदवार श्रीनिवास रेड्डी के ठिकानों पर आयकर छापेमारी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आयकर विभाग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को हैदराबाद और खम्मम में कांग्रेस उम्मीदवार पी श्रीनिवास रेड्डी के कार्यालय और आवासीय परिसरों पर तलाशी ली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। रेड्डी खम्मम जिले की पलैर विधानसभा सीट से किस्मत आजमा रहे हैं।

कल्याणकारी भाव जीवन को जीवित रखने की एकमात्र औषधि है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कल्याण, उपकार, अच्छाई, हित, नेकी, ये वे चीजें हैं जिसकी धुरी पर ही ये संपूर्ण संसार का अस्तित्व जीवंत है। इन पर्यायवाची को अगर समेटा जाए तो जिस सहज शब्द या प्रवृत्ति का पता चलता है उसे भलाई या परोपकार के नाम से जाना जाता है। एक ऐसी प्रवृत्ति जो प्राणी जन्मजात स्थायी रूप से प्राप्त करता है। उपरोक्त बातें श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन मूर्तिपूजक जैन संघ प्रवचन देते हुए आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने कही, वे आगे बोले कि कल्याणकारी प्रवृत्ति प्रकृति प्रदत्त है। विश्वास करना चाहते हैं तो स्थिर मन से अपने आस-पास की प्रकृति का अवलोकन कीजिये। पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते हैं और तालाब भी अपना पानी स्वयं नहीं पीता है। इसी तरह अच्छे और सज्जन पुरुष

वे हैं जो दूसरों के हित के काम के लिए संपत्ति जमा करते हैं्। प्रकृति प्रदत्त यह प्रवृत्ति बड़ी ही शक्तिशाली होती है। कल्याणकारी भाव मानव जाति की वह पूँजी है जो कभी समाप्त नहीं होगी। ये पूँजी जीवन को जीवित रखने की एकमात्र औषधि है। वर्तमान में इसकी शक्ति को पहचानने की आवश्यकता है। भलाई का मतलब, नैतिकता, उत्तमता या सद्गुण है। लेकिन इसका मतलब सिर्फ हर तरह की बुराई से दूर रहना नहीं है। भलाई, आत्मा का एक फल है और यह दूसरों की ख़ातिर अच्छे काम करने के जरिये दिखाई जाती है। आचार्य श्री ने आगे कहा कि संपन्न व्यक्तियों को चाहिए कि वह गरीब व्यक्ति से पूछकर उसकी आवश्यक चीज को उसे उपलब्ध कराएं्। उसके बदले में उससे कोई कार्य कराने की इच्छा न रखें, तो यह असली परोपकार है। परोपकार मनुष्य का सर्वोपरि गुण माना जाता हैं्। यह गुण सभी मनुष्यों में नहीं पाया जाता हैं्। जिस व्यक्ति में वह गुण होता हैं्। वह आचारणवान होता है। अर्थात अपने कर्मो से महान बनता है। वह संसार में कुछ न करके भी बहुत कुछ कर जाते हैं्। परोपकार मानव जीवन का एक अमूल्य रत्न है। यह एक ऐसा मानवीय गुण है, जिसे धारण करने से मनुष्य एक सर्वश्रेष्ठ प्राणी बन जाता है। जैसे एक माह अपने बच्चे को दूध पिलाती है पर जीवनभर इसके बदले में वह कुछ नहीं मांगती है। मानव एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहकर उसे अन्य प्राणियों के प्रति कुछ दायित्वों का भी निर्वाह करना पड़ता है। किसी व्यक्ति पर संकट आने पर दूसरों को उसकी सहायता अवश्य करनी चाहिए्। चन्द्रमा की शीतल किरणें भी सभी का ताप हरती है। मेघा सबके लिए जल की वर्षा करते है। वायु सभी के लिए जीवनदायिनी है। महान देशभक्तों ने परोपकार की भावना से प्रेरित होकर ही अपने प्राणों की बलि दे दी। परोपकार की भावना से मानव के व्यक्तित्व का विकास होता है।

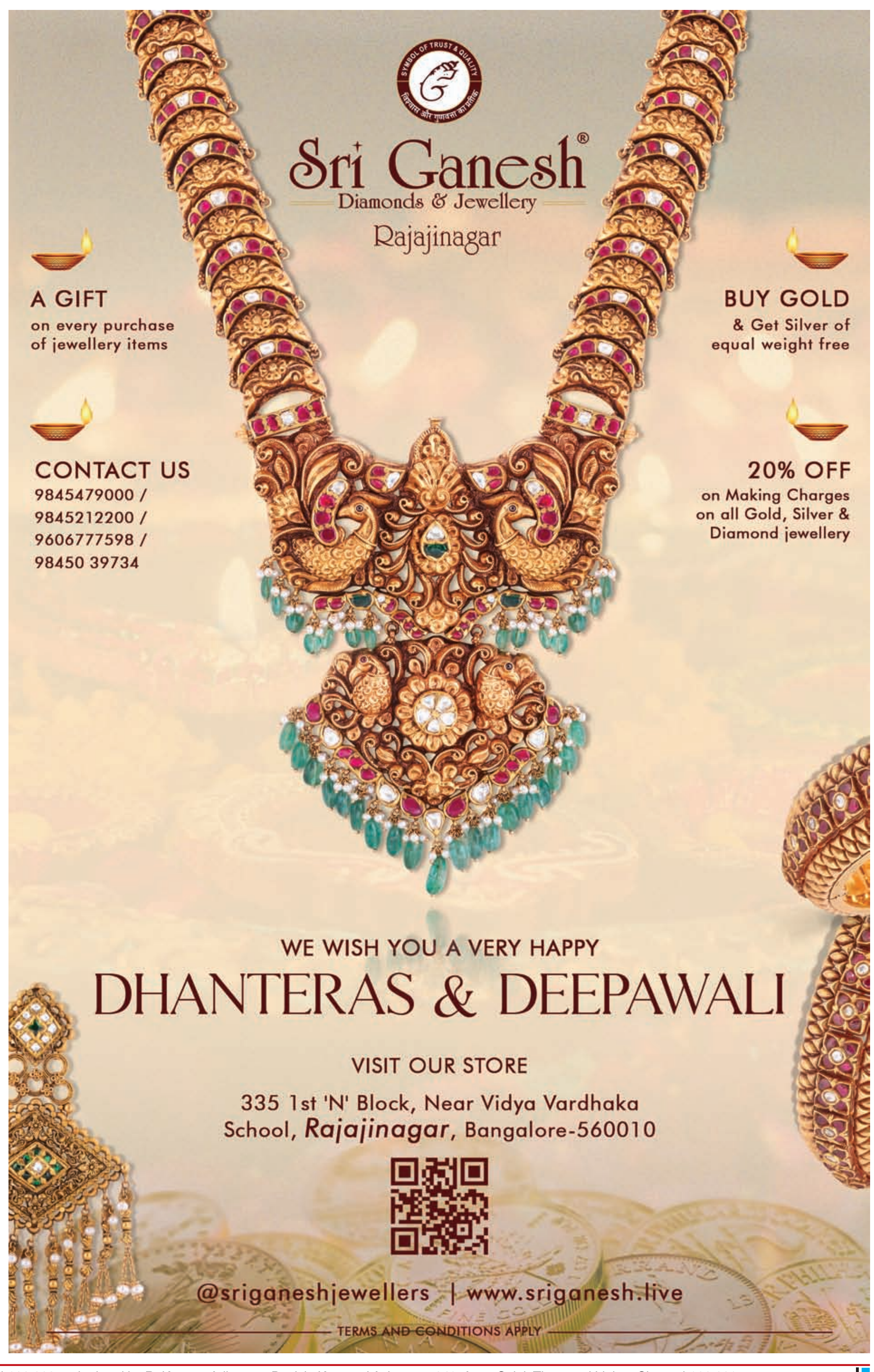

केरल में कंडाला सेवा सहकारी बैंक पर ईडी की छापेमारी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। दक्षिणी केरल जिले में स्थित एक सहकारी बैंक पर कल शुरू हुई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी एक दिन बाद बृहस्पतिवार को भी जारी रही। ईडी ने यहां कट्टाकड़ा के पास कंडाला सेवा सहकारी बैंक और बैंक के पूर्व अध्यक्ष तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के स्थानीय नेता एन.बासूरंगन के आवासों सहित कई ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के बीच बासूरंगन को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। पार्टी की तिरुवनंतपुरम जिला समिति के एक सदस्य ने बासूरंगन को निष्कासित किए जाने की जानकारी मीडिया को दी। पार्टी की जिला समिति के सदस्य ने बताया कि भाकपा ने अतीत में भी बासूरंगन के खिलाफ कार्रवाई की थी। बासूरंगन को केरल सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (केसीएमएमएफ) के प्रशासनिक समिति के संयोजक पद से भी हटा दिया गया है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.